पौष कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 147 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 22-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 यह समझ से परे है कि कुछ राज्यों में एनईपी लागू नहीं हुई : उपराष्ट्रपति

6 योगेश कुमार जोशी: बाधाओं, दुर्गम इलाकों और गोलीबारी को पार करते हुए किया महत्वपूर्ण चोटी पर कब्जा

7 धूम मचाने के लिए तैयार हैं कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

अयोध्या में राम मंदिर को वैश्विक सुरक्षा मान्यता मिली

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ने दुनिया भर में सुरक्षा के लिए एक मानक स्थापित किया है। बड़े-बड़े पत्थरों के साथ दिन-रात लगातार काम करने के बावजूद, अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाली कोई दुर्घटना नहीं हुई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ब्रिटिश सुरक्षा परिषद ने बिल्डर को 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने गोल्डन ट्रॉफी प्रदान की। विशेषज्ञों के अनुसार यह सम्मान मंदिर निर्माण के दौरान लागू किये गये नये उत्कृष्ट सुरक्षा के उपायों को दर्शाता है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शह और मात

लोकतंत्र में खेल हो रहा,
शाह और शहजादे का।
फैंक रहे सब अपना पांसा,
आश्वासन और वादे का।
व्यूह रच रहे सब शतरंजी,
अपनी चाल इरादे का।
मात और शह में समान बल,
है वजीर और प्यादे का।।

अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरुरी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में नॉर्थ ईस्ट डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन एनईडीएफसी की ओर से आयोजित नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरुरी है।

इस अवसर पर केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केन्द्रीय उत्तर पूर्वी विकास क्षेत्र राज्य मंत्री सुकांत मजुमदार और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि140 करोड़ की जनसंख्या और विषम भौगोलिक स्थिति वाले देश भारत के लिए अर्थतंत्र को बढ़ावा देने के साथ ही हर क्षेत्र क्षेत्र, राज्य और हर गांव और हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरुरी है। जब तक हम देश के 140 करोड़ लोगों के आर्थिक विकास को पूरा नहीं कर सकते तब तक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। विकसित राष्ट्र की कल्पना ही यह है कि हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार का पालन करने में सक्षम हो, हर व्यक्ति के पास मूलभूत सुविधाएँ हों और हर व्यक्ति देश के विकास में योगदान करे। ऐसा राष्ट्र ही विकसित राष्ट्र बन सकता है।

भारत-म्यांमार सीमा पर जनसांख्यिकी आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए : अमित शाह

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत-म्यांमार सीमा पर, विशेष रूप से नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर में जनसांख्यिकीय आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए ताकि सीमा पर बाड़ लगाने में मदद मिल सके और घुसपैठ को रोका जा सके। यहां पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) सोसायटी की 12वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में खनिज, तेल और कोयला भंडारों के लिए व्यापक मानचित्रण की आवश्यकता है ताकि इन खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी से क्षेत्र को आर्थिक लाभ मिल सके। शाह ने कहा, ''भारत-म्यांमार सीमा पर, खासकर नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर में जनसांख्यिकीय आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए ताकि सीमा पर बाड़ लगाने में मदद मिल सके और घुसपैठ को रोका जा सके।''

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों की सराहना की, कहा-

भारत बन सकता है 'विश्व की कौशल राजधानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुवैत सिटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए शनिवार को यहां कहा कि भारत में ''विश्व की कौशल राजधानी'' (स्किल कैपिटल) बनने का सामर्थ्य है।

मोदी शहर के शेख साद अल अब्दुल्ला इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'हला मोदी' में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हर साल सैकड़ों भारतीय कुवैत आते हैं; आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया। आपने कुवैत के 'कैनवास (परिदृश्य)' को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है। आपने कुवैत में भारत की प्रतिभा, तकनीक और परंपरा का मसाला घोल दिया है।''

कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत की यात्रा पर आए मोदी ने खाड़ी देश में देश के विभिन्न कोनों से आए भारतीयों की मौजूदगी को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे ''मिनी हिंदुस्तान'' कहा। उन्होंने कहा कि भारत के स्टार्टअप, फिनटेक, स्मार्ट प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी कुवैत की हर जरूरत के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित कर सकते हैं।

मोदी ने कहा कि, ''भारत कुशल प्रतिभाओं की विश्व की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है...भारत में विश्व की कौशल राजधानी बनने की भी क्षमता है।'' उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि आने वाले कई दशकों तक भारत विश्व का सबसे युवा देश बना रहेगा।

कुवैत और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय कामगारों को समर्थन देने के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने 'ई-माइग्रेट' पोर्टल समेत सरकार द्वारा क्रियान्वित प्रौद्योगिकी-संचालित योजनाओं पर चर्चा की।

कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए मोदी ने कहा कि 43 वर्षों के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री सदियों पुरानी मित्रता को और मजबूत करने के लिए कुवैत की यात्रा पर आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत और कुवैत के बीच संबंध सभ्यता, समुद्र, स्नेह, व्यापार और वाणिज्य के हैं। भारत और कुवैत अरब सागर के दो किनारों पर स्थित हैं। हमें सिर्फ कूटनीति ही नहीं जोड़ती, बल्कि दिल के रिश्ते भी जोड़ते हैं।''

महाभारत और रामायण का अरबी में अनुवाद करने वाले कुवैत के दो नागरिकों से मिले प्रधानमंत्री

कुवैत सिटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कुवैत के उन दो नागरिकों से मुलाकात की, जिन्होंने भारत के दो महत्वपूर्ण ग्रंथों महाभारत और रामायण का अरबी में अनुवाद और प्रकाशन किया है। प्रधानमंत्री ने दोनों ग्रंथों के अरबी संस्करणों की प्रतियों पर हस्ताक्षर भी किए। मोदी ने 'एक्स' पर तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, रामायण और महाभारत के अरबी अनुवाद देखकर मुझे खुशी हुई। मैं अनुवाद और प्रकाशन में अब्दुल्ला अल-बैरन और अब्दुल लतीफ अल-नसेफ के प्रयासों की सराहना करता हूं। उनकी यह पहल विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता को उजागर करती है।

इम्फाल पश्चिम में इम्फाल सेंट्रल लाइब्रेरी में 31वें इम्फाल पुस्तक मेले का आनंद लेते हुए लोग।

शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर मुहिम तेज करेगी कांग्रेस, मनाएगी अंबेडकर सम्मान सप्ताह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जोर-शोर से उठाने के बाद अब सड़क पर उतरकर अपनी मुहिम तेज करेगी और आगामी सप्ताह को अंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी।

पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इस विषय पर पार्टी के सांसद और वरिष्ठ नेता 22 और 23 दिसंबर को देश के अलग अलग शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा 24 दिसंबर को हर जिले में अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला जाएगा।

मुख्य विपक्षी दल बेलगावी में अगले सप्ताह प्रस्तावित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में भी अंबेडकर के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएगी।

वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम मनुस्मृति पूजकों के खिलाफ डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत की रक्षा के लिए लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी सप्ताह को डॉ. अंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी। उन्होंने बताया कि सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य 22-23 दिसंबर को देश भर में अपने निर्वाचन क्षेत्रों और गृह जिलों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

वेणुगोपाल का कहना था, 24 दिसंबर को पूरे देश में हम बाबासाहेब अंबेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे और अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा, सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, मार्च के दौरान बाबासाहेब के विशाल चित्र और हमारी प्रमुख मांगों को दर्शाने वाली तख्तियां लेकर चलेंगे।वेणुगोपाल के अनुसार, 26-27 दिसंबर को हम बेलगावी में एक विस्तारित सीडब्ल्यूसी सत्र और एक विशाल रैली आयोजित करेंगे जहां अंबेडकर और उनके आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराया जाएगा।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, हमारे सभी सांसद और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य 22 और 23 दिसंबर को 150 शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इनमें संविधान पर हमले को उजागर किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते रहेंगे।

कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर राज्यसभा में दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया था, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं, अभी एक फैशन हो गया है- अंबेडकर, अंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब का अपमान किया और यह सुनिश्चित किया कि वह चुनाव में हार जाएं।

ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय, तत्काल कदम उठाने की जरूरत : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऊंटों की संख्या में भारी कमी आ रही है और इस संदर्भ में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एक शीर्ष पशुपालन अधिकारी ने यह बात कही है और पारंपरिक चरवाहे समुदायों को अधिक समर्थन का आह्वान किया है।

पशुपालन और डेरी विभाग (डीएएचडी) की सचिव अलका उपाध्याय ने शुक्रवार को राजस्थान के बीकानेर में ऊंटनी के दूध उत्पादन पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में ऊंटों को बचाने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उन्होंने राष्ट्रीय पशुधन मिशन को चरागाह के संरक्षण और ऊंटों को पालने वाले चरवाहा समुदायों का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पंजाब के मोहाली में बहुमंजिला इमारत ढही, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मोहाली जिले के सोहाना गांव में शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

अभियान के तहत दो उत्खनन मशीनों को काम पर लगाया गया है। दमकल विभाग की एक टीम भी मौके पर मौजूद है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि इमारत ढहने पर तेज आवाज सुनाई दी। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इमारत गिरने के पीछे क्या कारण था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक पारीक स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियमों में किया गया बदलाव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज तथा उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोक दिया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे गए ''कागजात'' या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है।

नियम 93 के अनुसार, चुनाव से संबंधित सभी ''कागजात'' सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे जायेंगे।संशोधन में ''कागजातों'' के बाद ''जैसा कि इन नियमों में निर्दिष्ट है'' शब्द जोड़े गए हैं। विधि मंत्रालय और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने अलग-अलग बताया कि संशोधन के पीछे एक अदालती मामला था।

यद्यपि नामांकन फार्म, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है, लेकिन आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।

निर्वाचन आयोग के एक पदाधिकारी ने कहा, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां नियमों का हवाला देते हुए ऐसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

संकल्प पत्र

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद मनोज तिवारी और वरिष्ठ नेता अरविंदर सिंह लवली शनिवार को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में भाजपा के संकल्प पत्र 2025 के लिए एक कार्यक्रम के दौरान।

जीएसटी परिषद ने बीमा पर कर-कटौती का फैसला टाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/भाषा। जीएसटी परिषद की शनिवार को हुई बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर कर कम करने का फैसला टाल दिया गया। इस बीच 148 वस्तुओं पर कर की दर में फेरबदल की मंत्रिसमूह की बहुचर्चित सिफारिश परिषद के समक्ष नहीं रखी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों वाली परिषद के कुछ सदस्यों ने महसूस किया कि बीमा कराधान के संबंध में अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

बीमा पर मंत्री समूह की समिति के प्रमुख बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि समूह, व्यक्तिगत, वरिष्ठ नागरिक पॉलिसियों के कराधान पर निर्णय लेने के लिए एक और बैठक की आवश्यकता है।

चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कुछ (परिषद) सदस्यों ने कहा कि इस पर और अधिक चर्चा की आवश्यकता है। हम (जीओएम) जनवरी में फिर मिलेंगे। इसके अलावा, दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्री समूह की रिपोर्ट परिषद के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई। रिपोर्ट में 148 वस्तुओं में बदलाव की सिफारिश की गई थी। समिति के संयोजक चौधरी ने कहा, हम दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्री समूह की रिपोर्ट परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगे। परिषद की चल रही बैठक में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। केंद्र और राज्यों के जीएसटी विभागों के अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति के कई प्रस्ताव परिषद के समक्ष समीक्षा के लिए आएंगे। प्रस्तावों में से एक स्विगी और जोमैटो जैसे खाद्य वस्तुओं के वितरण मंचों पर करों को मौजूदा 18 प्रतिशत (आईटीसी के साथ) से घटाकर पांच प्रतिशत करना शामिल है। सूत्रों के अनुसार, इसमें इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ छोटे पेट्रोल और डीजल वाहनों की बिक्री पर कर की दर को मौजूदा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया जा सकता है। इस बढ़ोतरी से इस्तेमाल की गई और पुरानी छोटी कारें और इलेक्ट्रिक वाहन पुराने बड़े वाहनों के बराबर हो जाएंगे। इसके अलावा, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून, 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है।

भारत के हरित आवरण में 2021 से 2023 तक 1,445 वर्ग किलोमीटर वृद्धि: सरकारी रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत के कुल वन और वृक्ष क्षेत्र में 2021 के बाद से 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है और अब यह कुल भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत हो गया है। नए सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

शनिवार को जारी भारत राज्य वन रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 में कहा गया कि देश का कुल वन क्षेत्र 2021 में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर था, जो बढ़कर 2023 में 7,15,343 वर्ग किलोमीटर हो गया, लिहाजा अब कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.76 प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वृक्ष क्षेत्रफल 1,289 वर्ग किलोमीटर बढ़ गया है और अब यह देश के भौगोलिक क्षेत्र का 3.41 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, वन और वृक्षों का क्षेत्रफल 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, यानी भारत के भौगोलिक क्षेत्र के 25.17 प्रतिशत क्षेत्र पर वन और वृक्ष हैं। यह 2021 के बाद 1,445 वर्ग किलोमीटर की कुल वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें अकेले वन क्षेत्र में 156 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल वन और वृक्ष आवरण में मध्यप्रदेश अग्रणी है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश और महाराष्ट्र हैं। छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में वन और वृक्ष आवरण में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तराखंड: पिथौरागढ़ में भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड में धारचूला-तवाघाट-लिपुलेख मार्ग पर बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क बंद हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने बताया कि पिथौरागढ़ में तवाघाट के पास भूस्खलन पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुआ। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन भूस्खलन के कारण सड़क बंद हो गई।

जिलाधिकारी ने बताया, धारचूला के उप जिलाधिकारी और बीआरओ (सीमा संगठन संगठन) अधिकारी मौके पर पहुंचे और भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख तक जाने वाली सड़क को खोलने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि सड़क को जल्द ही खोल दिया जाएगा।

गोस्वामी ने बताया कि भूस्खलन संभवतः तब हुआ जब मुख्य सड़क के ऊपर निर्माणाधीन एक अन्य सड़क का मलबा खिसकने लगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तवाघाट-धारचूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। उन्होंने भूस्खलन में किसी के हताहत नहीं होने पर राहत जताते हुए कहा कि जल्द से जल्द मार्ग खोलने के प्रयास जारी हैं।

कार पर कंटेनर ट्रक पलटने से एक परिवार के छह लोगों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के निकट शनिवार को एक कंटेनर ट्रक के कार के ऊपर पलट जाने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना बेंगलुरु के बाहरी इलाके तालेकेरे के निकट नेलमंगला में हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान चंद्रायगप्पा गौल (48), गौराबाई (42), विजयलक्ष्मी (36), जॉन (16), दीक्षा (12) और आर्या (छह) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना के समय परिवार विजयपुरा जा रहा था। सूत्रों ने बताया कि चंद्रायगप्पा 'एचएसआर लेआउट' में एक सॉफ्टवेयर फर्म के मालिक थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक के कार पर गिरने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शव क्षत-विक्षत हो गए। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर वाहनों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

पुलिस की अनुमति न मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए: रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन चार दिसंबर को 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर गए थे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भगदड़ में एक महिला की मौत के बाद भी अभिनेता सिनेमा हॉल से बाहर नहीं गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरन बाहर निकाला।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद रेड्डी ने प्रसारित वीडियो का हवाला देते हुए अल्लू अर्जुन पर रोड शो निकालने और भारी भीड़ के बावजूद भीड़ को देखकर हाथ हिलाने का आरोप

लगाया। रेड्डी ने कहा कि थिएटर प्रबंधन ने दो दिसंबर को पुलिस को एक पत्र लिखा था, जिसमें चार दिसंबर को अल्लू अर्जुन और अन्य लोगों के आने के दौरान सुरक्षा की मांग की गई थी।

हालांकि, पुलिस ने भीड़ प्रबंधन में कठिनाइयों का हवाला देते हुए आवेदन को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि थिएटर में प्रवेश करने और बाहर निकलने से पहले अभिनेता ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर निकलकर भीड़ को देखकर हाथ हिलाया, जिससे हजारों प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। उन्होंने फिल्मी हस्तियों की इस बात के लिए आलोचना की कि वे अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद उनसे मिलने के लिए उनके घर की ओर कूच कर गए लेकिन घटना में घायल होने के बावजूद अस्पताल में इलाज करा रहे लड़के से मिलने के लिए उन्होंने सहानुभूति तक नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, मैं फिल्मी हस्तियों से अपील करता हूं कि उन्हें अमानवीय व्यवहार नहीं करना चाहिए।

रेड्डी ने यह भी कहा कि भगदड़ में मौत जैसी अप्रिय घटनाएं होने पर कोई विशेषाधिकार नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार आम लोगों को परेशान करने वालों को नहीं बख्शेगी।

हैदराबाद के संध्या थिएटर में चार दिसंबर को भगदड़ जैसी स्थिति के दौरान 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसके आठ वर्षीय बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

महाराष्ट्र में पोर्टफोलियो आवंटन

फडणवीस को गृह, कानून व न्यायपालिका, शिंदे को शहरी विकास, अजीत पवार को वित्त

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में प्रमुख विभागों के पोर्टफोलियो का आवंटन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गृह मंत्रालय, कानून और न्यायपालिका जैसे महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं। यह जिम्मेदारी राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के उनके प्रयासों पर आधारित है। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। ये विभाग राज्य के बुनियादी ढांचे और शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री अजित पवार को वित्त और योजना तथा आबकारी विभाग का कार्यभार सौंपा गया है।

यह विभाग राज्य के आर्थिक प्रबंधन और बजट के संचालन के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। इस पोर्टफोलियो आवंटन के बाद महाराष्ट्र सरकार की नीतियां और कार्यशैली पर सभी की नजरें हैं, क्योंकि इन विभागों का प्रभाव सीधे तौर पर राज्य की जनता के जीवन पर पड़ेगा।

मंत्री प्रियंक खरगे ने अंबेडकर पर टिप्पणी के लिए अमित शाह पर निशाना साधा

कलबुर्गी। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बी.आर. अंबेडकर पर की गई उनकी टिप्पणी को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ''उन्हें पागल कुत्ते ने काट लिया है।'' सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि अगर मैं सात जन्मों में भगवान का नाम जपूंगा तो मुझे स्वर्ग में जगह मिलेगी या नहीं, लेकिन इस जन्म में अंबेडकर का नाम जपने से हमें राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक समानता और आत्मसम्मान का जीवन मिलेगा।''

केंद्रीय गृह मंत्री पर कटाक्ष करते हुए प्रियंक खरगे ने कहा कि उनकी समस्या यह है कि अंबेडकर और समानता उनके विचारों में नहीं हैं। ये चीजें उनके दर्शन और विचारधारा से गायब हैं।

दलित प्रोफेसर से जातिगत भेदभाव के आरोप में आईआईएम बेंगलूरु के निदेशक समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

बेंगलूरु। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बेंगलूरु के निदेशक और सात प्रोफेसर के खिलाफ एक दलित एसोसिएट प्रोफेसर से जाति के आधार पर भेदभाव करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसोसिएट प्रोफेसर की शिकायत के आधार पर शुक्रवार को आईआईएम बेंगलूरु के निदेशक और दूसरे संकाय सदस्यों के खिलाफ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें शिकायत मिली और मामला दर्ज किया गया। हालांकि, प्राथमिकी में नामजद लोगों ने दावा किया कि उन्होंने उसी शाम अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है। लेकिन हमें अब तक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) की एक जांच रिपोर्ट के आधार पर, समाज कल्याण विभाग ने राज्य पुलिस प्रमुख को उक्त एसोसिएट प्रोफेसर की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था।

क्रिसमस

मुरादाबाद में सांता क्लॉज़ की पोशाक पहने पुरुष शनिवार को एक स्कूल में आयोजित क्रिसमस से पहले के जश्न के कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मिठाई बांटते हुए।

तमिलनाडु के राज्यपाल विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में बाधा डाल रहे हैं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी शेजियान ने राज्यपाल आर.एन. रवि पर राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में बाधा डालने का आरोप लगाया और कहा कि अच्छा होगा कि वह इसके बजाय उच्च शिक्षा में सुधार के लिए केंद्रीय निधि सुनिश्चित करने के लिए काम करें, जो कम कर दी गई है। उन्होंने रवि से राज्य सरकार के लिए बाधाएं पैदा करने के बजाय कुलपतियों के रिक्त पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त करने का आग्रह किया।

मंत्री ने शुक्रवार देर रात यहां एक बयान में कहा, राज्यपाल के

लगातार हस्तक्षेप से विश्वविद्यालयों का माहौल बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इससे पहले, राज्यपाल ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर अन्ना विश्वविद्यालय, भारतीदासन विश्वविद्यालय और पेरियार विश्वविद्यालय के लिए कुलपति की नियुक्ति से संबंधित समिति के गठन से जुड़ी अधिसूचना वापस लेने और समिति में यूजीसी अध्यक्ष को शामिल करने का निर्देश दिया था।

मंत्री ने राज्यपाल से संकट की स्थिति पैदा न करने का आह्वान किया और कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग केवल सिफारिशें कर सकता है और राज्य को उनका पालन करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने रवि पर छात्रों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्यपाल राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रहे हैं।

शादी आपसी विश्वास और साहचर्य पर बना रिश्ता है : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अलग-अलग रह रहे अभियंता दंपति को विवाह विच्छेद की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो आपसी विश्वास, साहचर्य और साझा अनुभवों पर बनता है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि अलगाव की अवधि और पति-पत्नी के बीच स्पष्ट तल्खी यह स्पष्ट करती है कि विवाह को बचाने की कोई संभावना नहीं है।

पीठ ने कहा, ''विवाह आपसी विश्वास, साहचर्य और साझा अनुभवों पर बना एक रिश्ता है। जब ये आवश्यक तत्व लंबे समय तक गायब रहते हैं तो वैवाहिक बंधन किसी भी सार से रहित केवल कानूनी औपचारिकता बनकर रह जाता है।'' इसमें कहा गया है कि अदालत ने लगातार माना है कि लंबे समय तक अलगाव और मेल-मिलाप करने की अक्षमता वैवाहिक विवादों पर निर्णय लेने में एक प्रासंगिक कारक है। पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में अलगाव की अवधि और दोनों पक्षों के बीच स्पष्ट दुश्मनी से यह स्पष्ट हो जाता है कि शादी को बचाने की कोई संभावना नहीं है।

पीठ ने कहा कि पति और पत्नी दो दशकों से अलग-अलग रह रहे हैं और यह तथ्य इस निष्कर्ष को और पुष्ट करता है कि यह विवाह अब व्यवहार्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने उन महिलाओं की अपील खारिज कर दी जिन्होंने क्रूरता के आधार पर विवाह विच्छेद की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के आठ जून, 2018 के फैसले को चुनौती दी थी।

पीठ ने कहा कि पति ने यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत उपलब्ध कराए हैं कि अपीलकर्ता (पत्नी) ऐसे व्यवहार में शामिल थी जिससे उसे अत्यधिक मानसिक और भावनात्मक परेशानी हुई। दोनों ने 30 जून, 2002 को शादी की थी और दोनों से नौ जुलाई, 2003 को एक बेटी का जन्म हुआ। दोनों पक्षों के बीच कलह बच्ची के जन्म के ठीक बाद शुरू हुई जब पत्नी ने अपने माता-पिता के घर से लौटने से इनकार कर दिया। प्रसव के लिए माता-पिता के घर गई पत्नी ने लौटने से इनकार कर दिया।

दानपात्र में गिरा श्रद्धालु का आईफोन लौटाने से मंदिर प्रशासन का इनकार, नियमों का दिया हवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में एक श्रद्धालु का आईफोन गलती से एक मंदिर के दानपात्र में गिर गया, जिसे लौटाने के अनुरोध को तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग ने यह कहते हुए विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया कि वह अब मंदिर की संपत्ति बन गया है। अपनी गलती का एहसास होने के तुरंत बाद दिनेश नामक श्रद्धालु ने तिरुपुरुर में स्थित श्री कंडास्वामी मंदिर के अधिकारियों से संपर्क करके अनुरोध किया कि दान करते समय अनजाने में दानपात्र में गिरा उसका फोन वापस किया जाए।

शुक्रवार को दानपात्र खोलने के बाद, मंदिर प्रशासन ने दिनेश से संपर्क किया और कहा कि फोन मिल गया है और उन्हें फोन का केवल डेटा प्रदान किया जा सकता है। हालांकि, दिनेश ने डेटा लेने से इनकार कर दिया और कहा कि उनका फोन उन्हें वापस किया जाए। शनिवार को जब यह मामला हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्त मंत्री पी. के. शेखर बाबू के संज्ञान में लाया गया तो उन्होंने जवाब दिया, जो कुछ भी दान पेटी में जमा किया जाता है, चाहे वह मनमर्जी से न दिया गया हो, भगवान के खाते में चला जाता है।

बाबू ने यहां पत्रकारों से कहा, मंदिरों की प्रथाओं और परंपराओं के अनुसार, हुंडी (दानपात्र) में चढ़ाया गया कोई भी चढ़ावा सीधे उस मंदिर के देवता के खाते में चला जाता है। नियमों के अनुसार श्रद्धालुओं को चढ़ावा वापस करने की अनुमति नहीं है। मंत्री ने यहां माधवरम में अरुलमिगु मरिअम्मन मंदिर के निर्माण कार्य और वेणुगोपाल नगर में अरुलमिगु कैलासनाथर मंदिर से संबंधित मंदिर के तालाब के जीर्णोद्धार का निरीक्षण करने के बाद कहा कि वह विभाग के अधिकारियों के साथ इस बारे में चर्चा करेंगे कि क्या श्रद्धालु को मुआवजा देने की कोई संभावना है। उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श के बाद वह निर्णय लेंगे।

यह राज्य में ऐसी पहली घटना नहीं है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मई 2023 में केरल के अलप्पुझा की श्रद्धालु एस. संगीता की सोने की चेन अनजाने में पलानी के प्रसिद्ध श्री धनदायुथपानी स्वामी मंदिर के दानपात्र में गिर गई थी। संगीता जब चढ़ावे के लिए अपने गले से तुलसी की माला उतार रही थीं, तो सोने की चेन दानपात्र में गिर गई थी। हालांकि, उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए और सीसीटीवी फुटेज से यह पुष्टि करने के बाद कि चेन दुर्घटनावश गिर गई थी, मंदिर न्यासी मंडल के अध्यक्ष ने अपने निजी खर्च पर उसी कीमत की एक नयी सोने की चेन खरीदकर श्रद्धालु को दे दी थी। अधिकारी ने बताया कि हुंडी स्थापना, सुरक्षा और लेखा नियम, 1975 के अनुसार, हुंडी में चढ़ाया गया कोई भी चढ़ावा किसी भी समय मालिक को वापस नहीं किया जा सकता है, क्योंकि वह मंदिर का हो जाता है।

केरल में नाव पलटने से मछुआरे की मौत

कोझिकोड/भाषा। केरल में कोझिकोड जिले के वटकरा तट के पास शनिवार सुबह समुद्र में नाव पलटने से एक मछुआरे की मौत हो गई। तटीय पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह आठ बजे अझिथला नदी के मुहाने के पास हुई। मृतक की पहचान अबूबकर (64) के रूप में हुई है वह वटकारा का निवासी था। उन्होंने बताया कि नाव में सवार एक अन्य मछुआरा दुर्घटना में बच गया। दोनों मछुआरे तड़के मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे और उनकी नाव तेज लहरों में पलट गई थी।

कर्नाटक महिला आयोग ने नेता सीटी रवि के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्राट्टी से 19 दिसंबर को सदन के भीतर मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ की गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सी टी रवि की कथित अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का आग्रह किया है। आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने होर्राट्टी को पत्र लिखकर कहा कि भाजपा नेता रवि ने महिलाओं का अपमान किया है और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने पत्र में लिखा, ''विधान परिषद सदस्य सी टी रवि द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अभद्र एवं असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल कर उन्हें अपमानित करने की कथित घटना की उच्च स्तरीय जांच का अनुरोध करती हूं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि रवि ने इस प्रतिष्ठित सदन में एक महिला मंत्री के खिलाफ निम्नतर स्तर के असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल किया जो देश की महिलाओं, उनकी गरिमा एवं उनकी भावनाओं का अपमान है। उन्होंने होरट्टी से इस मामले पर गंभीरता से विचार करने और उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का अनुरोध किया।

संसद सत्र ने भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर कर दिया है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि हाल के संसद सत्र ने केंद्र की भाजपा सरकार के दोहरे चरित्र को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा सदस्यों की तुलना में द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसदों ने हाल में संपन्न हुए शीतकालीन सत्र के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया और वे लोगों की आवाज उठाने में नायक बनकर उभरे हैं।

स्टालिन ने एक बयान में कहा, राज्य के अधिकारों से संबंधित मुद्दे उठाने और सदन का ध्यान आकर्षित करने में द्रमुक के सांसदों के प्रदर्शन से देश आश्चर्यचकित है। उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों की सराहना की। स्टालिन ने केंद्र की आलोचना करते हुए कहा, एक तरफ केंद्र ने भारत के संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जश्न मनाया, लेकिन दूसरी तरफ अंबेडकर का अपमान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी, जबकि उन्हें जवाब देने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। भाजपा सदस्यों ने संसद में लोकतंत्र को बाधित करने की कोशिश की।

स्टालिन ने आरोप लगाया, शीतकालीन सत्र इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार ने संसदीय लोकतंत्र को किस तरह खत्म कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) ने खुद संविधान के निर्माता अंबेडकर को बदनाम किया है, जिससे भाजपा का कुलीन फासीवादी चरित्र उजागर हुआ है।

इंडिगो ने चेन्नई और पेनांग के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कीं

चेन्नई। इंडिगो ने शनिवार को चेन्नई और मलेशिया के पेनांग के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कीं। यह एयरलाइन का 37वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। इंडिगो ने शनिवार को एक बयान में कहा कि नया मार्ग दोनों शहरों के बीच यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। इससे व्यावसायिक यात्रियों और पर्यटकों को सुविधाजनक तथा किफायती विकल्प मिलेगा। इंडिगो के वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने एक बयान में कहा, ''हम चेन्नई से पेनांग के लिए सीधी उड़ानों की शुरुआत के साथ मलेशिया में अपने नेटवर्क का विस्तार करके बेहद खुश हैं। पेनांग के लिए इन उड़ानों को शामिल करने के साथ, इंडिगो अब भारत के दो शहरों से मलेशिया के लिए 28 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी।'' चेन्नई हवाई अड्डे के निदेशक सी वी दीपक ने उद्घाटन समारोह में पहले यात्री को बोर्डिंग पास सौंपा।

चेन्निथला को एनएसएस का आमंत्रण कांग्रेस के लिए फायदेमंद : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा के लिए 2026 में होने वाले चुनाव से पहले प्रमुख समुदाय नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला का समर्थन किए जाने संबंधी खबरों के बीच राज्य के नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने शनिवार को कहा कि वह इस घटनाक्रम से प्रसन्न हैं और इससे कांग्रेस एवं विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को फायदा होगा। सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अगर 'नायर सर्विस सोसाइटी' (एनएसएस) अपने संस्थापक और समाज सुधारक मन्नाथु पद्मनाभन की जयंती समारोह जैसे बड़े कार्यक्रम के लिए चेन्निथला को आमंत्रित करती है तो इससे कांग्रेस को फायदा होगा।

उन्होंने कहा कि किसी बड़े कार्यक्रम में कांग्रेस नेता की उपस्थिति होना अच्छी बात है। सतीशन ने कहा, एनएसएस ने पिछले साल शशि थरूर को आमंत्रित किया था और उससे पहले के.मुरलीधरन और ओमन चांडी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं को किसी के बजाय इन सभी संगठनों से सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए तभी इससे पार्टी को लाभ होगा।

सतीशन ने कहा, ''मैं यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का अध्यक्ष होने के नाते इस बात से बहुत खुश हूं क्योंकि कांग्रेस केरल की सत्ता में तभी वापस आ सकती है जब हम सब मिलकर काम करेंगे।'' एनएसएस ने रमेश चेन्निथला को मन्नम जयंती समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया है, जिससे 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की केरल इकाई के भीतर सत्ता में बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं।

एनएसएस के तत्कालीन महासचिव जी. सुकुमारन नायर ने 2013 में खुले तौर पर मांग की थी कि ओमन चांडी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में चेन्निथला को प्रमुख भूमिका दी जाए। हालांकि, चेन्निथला ने इसे अस्वीकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, चेन्निथला और एनएसएस के बीच कुछ समय के लिए संबंध तनावपूर्ण हो गये थे।

इस बीच, श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एसएनडीपी) के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन ने भी इस मामले पर अपनी राय व्यक्त करते हुए चेन्निथला को समर्थन दिया है।

सबरीमला में मंडल पूजा :

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डिजिटल बुकिंग पर लगेगी रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सबरीमला/भाषा। केरल में सबरीमला में 'वार्षिक मंडल पूजा' के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) ने 25 और 26 दिसंबर को भगवान अयप्पा मंदिर में डिजिटल और मौके पर ही बुकिंग की सुविधा पर कुछ पाबंदियां लगाने का फैसला किया है। मंदिर का प्रबंधन करने वाले शीर्ष निकाय ने शनिवार को कहा कि 25 दिसंबर को तीर्थयात्रियों की संख्या 50,000 और 26 दिसंबर को 60,000 तक सीमित रहेगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों दिनों में प्रत्यक्ष बुकिंग 5,000-5,000 तक सीमित रहेगी।

टीडीबी ने कहा कि 25 दिसंबर को लगभग 50,000 तीर्थयात्रियों को दर्शन की अनुमति दी जाएगी, जिस दिन 'थंका अंकी' जुलूस सबरीमाला सन्निधानम (मंदिर परिसर) पहुंचेगा। इसमें कहा गया है कि 26 दिसंबर को 'मंडला पूज' के दिन 60,000 तीर्थयात्रियों को पहाड़ी पर स्थित भगवान अयप्पा के मंदिर में पूजा-अर्चना करने की अनुमति दी जाएगी। टीडीबी प्रबंधन ने कहा कि यह प्रतिबंध उत्सव के दिनों में संभावित भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगाया गया है। मौजूदा तीर्थयात्रा सत्र के दौरान टीडीबी ने प्रतिदिन 70,000 तीर्थयात्रियों के लिए डिजिटल कतार बुकिंग की सीमा तय की है। इसके अलावा मौके पर ही बुकिंग सुविधा के तहत एक दिन में 10 हजार तीर्थयात्रियों को भगवान अयप्पा के दर्शन करने की अनुमति दी जा रही है।

गोल्डन चैरियट ट्रेन यात्रा में ऐतिहासिक स्थलों का अनावरण होगा : एचके पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पर्यटन, कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि गोल्डन चैरियट ट्रेन यात्रा दक्षिण भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और ऐतिहासिक स्थानों का अनावरण है। शनिवार को यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के फ्लैट फॉर्म 6 पर गोल्डन चैरियट लक्जरी ट्रेन सेवाओं के शुभारंभ पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये गोल्डन चैरियट ट्रेन सेवाएं जो 2018 से अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थीं, उन्हें फिर से शुरू कर दिया गया है। ट्रेन का स्वामित्व 50 प्रतिशत भारतीय रेलवे के पास, 25 प्रतिशत पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के पास और 25 प्रतिशत केएसटीडीसी के माध्यम से राज्य सरकार के पास है। ट्रेन का इंटीरियर कलात्मक रूप से डिजाइन किया गया है।

18 कोचों का नाम कदंब, होयसला, विजयनगर चालुक्य राजवंशों के नाम पर रखा गया है जिन्होंने कर्नाटक पर शासन किया था। भोजन और आवास की शानदार व्यवस्था की गई है। यह गोल्डन चैरियट टूरिज्म पर्यटकों को पश्चिमी घाट, प्राचीन समुद्र तटों, सांस्कृतिक स्थलों के साथ-साथ विश्व प्रसिद्ध विरासत स्थलों पर ले जाता है। इससे ट्रेन होटलों, कारीगरों, टूर ऑपरेटरों को आय होगी। उन्होंने कहा कि इस विशेष ट्रेन यात्रा को दुनिया की सात सर्वश्रेष्ठ लक्जरी ट्रेन यात्राओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई है और इसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

इस ट्रेन में 44 सुसज्जित केबिन, संलग्न बाथरूम, वाई-फाई है। रुचि और नलपाका नाम के दो होटल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन परोसते हैं। उन्होंने कहा कि लाउंज बार, फिटनेस सेंटर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं।

चैरियट की यात्राएं

'ज्वेल ऑफ साउथ टूर' 21 से 26 दिसंबर तक बेंगलूरु से शुरू होगा और मैसूर, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावुर, कोचीन, मरारीकुलम तक जाएगा और फिर बेंगलूरु लौट आएगा। यह पांच दिवसीय टूर है जिसकी लागत प्रति व्यक्ति 4,07,700/- रुपये है।

'प्राइड ऑफ कर्नाटक टूर' आगामी 1 फरवरी से 6 फरवरी तक होगा। जिसमें बेंगलूरु, नंजनगुड, मैसूरु, हलेबिडु, चिकमगलूर, होसपेट, गोवा, बेंगलूरु की यात्रा लागत 2,71,800 रुपये है। 'सोजर्न ऑफ साउथ चार्टर्ड टूर' 28 दिसम्बर से 12 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारत विशेषकर दक्षिण भारतीय पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने में बहुत मददगार है।

2029 तक, कर्नाटक अपने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने वाला तीसरा शीर्ष भारतीय राज्य बनने का भी लक्ष्य बना रहा है। साथ ही, यह दौरा लोगों को पर्यटन स्थल के महत्व के बारे में सूचित करने के लिए तैयार किया गया प्रतीत होता है।

इस मौके पर प्रमुख शासन सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, शासन सचिव पर्यटन विभाग सलमा के. फहीम, केएसटीडीसी के अध्यक्ष एम. श्रीनिवास, बेंगलूरु शहर के जिला कलेक्टर जी. जगदीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केरल का स्वास्थ्य विभाग ग्राम पंचायतों में एंटीबायोटिक जागरुकता अभियान चलाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल स्वास्थ्य विभाग राज्य की 343 ग्राम पंचायतों में एंटीबायोटिक के अंधाधुंध सेवन के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए एंटीबायोटिक जागरुकता अभियान आयोजित करेगा। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज 22 दिसंबर को पथनमथिट्टा में सौख्यम सदा नामक अभियान का राज्य स्तरीय उद्घाटन करेंगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक विश्व में एंटीबायोटिक के सेवन की आदतों के परिणामों का एहसास कराकर समाज में जागरुकता बढ़ाना है।

अभियान के तहत 17,000 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवी छात्र 343 पंचायतों में घर-घर जाएंगे और अवैज्ञानिक तरीके से एंटीबायोटिक के उपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता पैदा करेंगे।

राज्य सरकार और औषधि नियंत्रण विभाग पहले से ही एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध उपयोग के खिलाफ कई अभियान चला रहे हैं और सौख्यम सदा इन पहलों का अगला चरण है।

श्रद्धासुमन

शनिवार को मंड्या के मद्दूर के पास सोमनहल्ली गांव में पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे एसएम कृष्णा के 11वें दिन के स्मणोत्सव के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

विश्वविद्यालय किसान हित में प्रौद्योगिकी का विकास कर प्राकृतिक खेती को दे बढ़ावा : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरीभाऊ किसनराव बागड़े ने भारत को ऋषि प्रधान के साथ ही कृषि प्रधान देश बताते हुए प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान कर कृषि में युवाओं को रुचि लेने पर जोर दिया हैं। बागड़े शनिवार को उदयपुर में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि का जीवन में सर्वाधिक महत्व है। किसानों द्वारा खेतों में कृषि उपज नही की जाए तो कोई भी जिंदा नहीं रह सकता है। उन्होंने भारतीय कृषि संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि आज देश में 146 करोड़ लोगों के लिए अनाज का उत्पादन होता है। अनाज उत्पादन में देश आत्मनिर्भर हो गया है। विश्वविद्यालय किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कृषि की नवीन प्रौद्योगिकी और शोध के जरिए उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को समय-समय पर नष्ट करने के लिए विदेशी आक्रांताओं द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते रहे है लेकिन हमारी संस्कृति जीवंत और जीवट है। इसे मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने अतीत के बहुत सारे संदर्भों की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति में कुल गुरु की परंपरा आरंभ से रही है। इस परंपरा की अंग्रेजों ने भी बहुत अधिक सराहना की और कहा भी की जितने स्कूल भारत में है उतने ब्रिटेन में भी नहीं है।

बागड़े ने संस्कृति और विज्ञान में भारत के समृद्ध अतीत की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के बारे में कॉपरनिकस ने 1530 में बताया जबकि हमारे ऋग्वेद और यजुर्वेद में आरंभ से ही गुरुत्वाकर्षण के बारे में बहुत सारा ज्ञान दिया हुआ है। यह वेद ग्रंथ 6500 साल पहले से लिखे हुए हैं । राज्यपाल ने कहा कि किसी भी देश को खत्म करने के लिए बम की जरूरत नहीं पड़ती। किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी शिक्षा व्यवस्था को बिगाड़ दिया जाना ही पर्याप्त है। अंग्रेजों ने भारत के साथ यही किया।

आजादी के बाद पहली बार देश में नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा और कृषि के महत्व को फिर से स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने प्राकृतिक खेती के विकास के जरिए देश को विकास की राह पर ले जाए जाने पर जोर दिया।

बागड़े ने रासायनिक खेती से होने वाले नुकसान की चर्चा करते हुए कहा कि इससे धरती की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है। बहुत सारे रोग होते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान करते हुए कृषि में युवाओं को रुचि लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही उसका निर्माण है। उन्होंने आम जन को पानी के अपव्यय रोके जाने पर जोर देते हुए कहा कि जल संरक्षण जरूरी है।

टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

जयपुर। जयपुर में गैस टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 14 हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हादसे में घायल हुए 30 से ज्यादा लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हादसे में घायल हुए दो और लोगों की मौत हो गई तथा इसी के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई।

भांकरोटा इलाके में जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक ट्रक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी थी, जिससे लगी आग ने 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस भीषण दुर्घटना में 12 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 35 अन्य लोग घायल हुए थे। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शुक्रवार को कहा था कि घायलों में से करीब आधे लोगों की हालत बहुत गंभीर है। हादसे में झुलसे ज्यादातर लोग यहां सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती हैं।

पायलट ने अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ितों की कुशलक्षेम जानी

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शनिवार को यहां सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती टैंकर हादसे के पीड़ितों से मुलाकात की और घटना की विस्तृत जांच की मांग की। भांकरोटा इलाके में जयपुर अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार हो हुए गैस टैंकर हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 अन्य का अभी इलाज जारी है। हादसे में 35 से ज्यादा वाहन जल गए थे। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पायलट ने संवाददाताओं से कहा, यह दुखद व भयानक हादसा था। जिन लोगों की मौत हुई हैं उनके परिजनों को हम सांत्वना देते हैं। एसएमएस अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा घायलों को बेहतरीन चिकित्सा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा, हमें पूरी घटना और उसके कारणों की जांच अवश्य करनी चाहिए। किन कारणों से इतना बड़ा हादसा हुआ...? उन्होंने कहा कि आबादी व यातायात के साधन बढ़ने के साथ पूरे देश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं ।

दीया कुमारी ने एसएमएस अस्पताल में घायलों की पूछी कुशलक्षेम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के भांकरोटा के पास गैस टैंकर हादसे के घायलो की शनिवार को यहां कुशलक्षेम पूछी। श्रीमती दीया कुमारी ने एसएमएस अस्पताल पहुंच कर घायलों से मिली और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने चिकित्सकों को पूरी सावधानी बरतकर बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि यह बेहद दुःखद घटना है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी घटना होने वाले स्थान पर उस समय तुरंत पहुंचे। हम सब इस घटना को लेकर बहुत चिंतित हैं।

चिकित्सकों की टीम पूरी मेहनत कर रही है। पूर्ण संवेदनशीलता से घटना में घायलों के बेहतर उपचार के लिए आवश्यक प्रयास किये जा रहें हैं। जिन घायलों की गंभीर स्थिति है उनके लिए अलग से स्थान निश्चित कर वहां विशेष आईसीयू बनाकर कर पूर्ण गहनता से उपचार किये जाने के लिए कहा गया है। इसके लिए भी चिकित्सक प्रयास करेंगे। सरकार इस घटना के पीड़ितों की सहायता के लिए अपना पूरा प्रयास कर रही है।

प्रदर्शन

जयपुर में शनिवार को जयपुर में राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान राजस्थान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

राजस्थान के अनेक इलाकों में घना कोहरा

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। शनिवार सुबह राज्य के कई इलाकों में घना तथा अति घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 4.2 डिग्री, सीकर में 5.0 डिग्री, पिलानी में 5.4 डिग्री, गंगानगर 6.1 डिग्री, नागौर व चुरू में 6.7 डिग्री दर्ज किया गया।

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23-24 दिसंबर को राज्य के उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। वहीं एक और पश्चिमी विक्षोभ के 26-27 दिसंबर के दौरान राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कुछ भागों में गरज के साथ हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

राज्यपाल ने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को उदयपुर में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित नवानिया महाविद्यालय में अतिथि गृह, चारदीवारी और महाविद्यालय परिसर के शिव मंदिर से जोरजी का खेड़ा तक सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशन 'फुटप्रिंट' का भी लोकार्पण किया। बागड़े ने कहा कि पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान के शिक्षा में राजस्थान को देशभर में अग्रणी करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पशुपक्षियों की समुचित देखभाल के साथ उनके पोषण की बेहतर व्यवस्था, उनसे उत्पादित वस्तुओं के प्रभावी विपणन की प्रभावी व्यवस्था हेतु विश्वविद्यालय कार्य करे।

उन्होंने कहा कि गांवों में अभी भी पशुपालन और कृषि ही मुख्य आजीविका है। पशुपालकों को पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही पशुधन संरक्षण के लिए आधुनिक दृष्टि से जुड़ी शिक्षा का प्रसार सभी स्तरों पर होना चाहिए।

राज्यपाल ने पशुपालन से जुड़ी भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे यहां वैदिक काल से ही पशुधन संरक्षण के साथ उनके उत्पादन से अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की सोच रही है। परम्परागत ज्ञान से प्रेरणा लेकर पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान क्षेत्र में हमें आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में वेटनरी शिक्षा के प्रभावी प्रसार की भी आवश्यकता जताई।

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी ताकत व क्षमता का प्रदर्शन कर रहीं : पारीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में संयुक्त सचिव डा.प्रतिभा पारीक ने कहा है कि महिला सशक्तीकरण की शुरुआत घर से होती है, जब लिंग भेद समाप्त हो जाता है, तो महिलाएं समाज में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकती हैं। डा. पारीक ने शनिवार को कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के तहत राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा एवं बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर में एक दिवसीय महिला सशक्तीकरण पर आयोजित सेमिनार में कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी ताकत और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। वे हर चुनौती का सामना करते हुए नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

सेमिनार में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि विकसित भारत की हर गतिविधि में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

महिलाओं का योगदान खाद्य, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में पुरुषों से अधिक है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता, मानवीय मूल्य और नैतिकता जैसी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, जिनका महिलाएं अब भी सामना कर रही हैं। महिलाओं को विविध अनुभव प्राप्त करने चाहिए, छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थानों में भाग लेने को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और संचार-कौशल में सुधार होगा, जो उनके भविष्य में प्रगति के लिए मददगार साबित होंगे। डॉ बी एल सारस्वत ने नारी को देवी का रूप बताते हुए कहा कि महिलाएं जल संचयन और संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाएं पारंपरिक जल प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करके जल संचयन में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। जल संरक्षण के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एक महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन ला रहा है। यह न केवल जल संकट से निपटने में मदद कर रहा है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान कर रहा है।

अधिष्ठाता डॉ एल एन बैरवा ने कहा कि महिलाओं की स्थिति में हाल के वर्षों में बड़े बदलाव आए हैं। अब महिलाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे समाज में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। अंत में निदेशक कल्याण छात्र संघ डॉ के सी शर्मा ने अमृता देवी बिश्नोई, सावित्री बाई फुले, गीता फौगाट और बबीता फोगाट के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि एक देश ने निर्माण में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ भारती शौकीन ने बताया कि इस सेमिनार के दौरान नृत्य, पोस्टर प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक एवं 'नारी को दो सम्मान, तभी बनेगा देश महान' 'जब नारी होगी शिक्षित, तभी होगा देश विकसित' जैसे उद्घोषों के साथ रैली का आयोजन किया। सेमिनार में डॉ के सी गुप्ता, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ राकेश समोरिया, डॉ रानी सक्सेना, डॉ अनीता चौधरी,डॉ अशोक चौधरी, डॉ भारती शौकीन, , डॉ एच पी परेवा, डॉ विजय पाराशर, डॉ वेदप्रकाश यादव, डॉ सौरभ सिंगला दुर्गापुरा सहित 13 संबद्ध महाविद्यालयों के कुल 937 छात्र छात्राएं हाइब्रिड मोड से जुड़े।

परिवहन विभाग के उडनदस्ते यातायात नियमों के उल्लंघन पर करें सख्त कार्रवाई : भजनलाल

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणाओं से संबंधित भू-आवंटन के शेष प्रकरणों का त्वरित निष्पादन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 31 दिसम्बर, 2024 तक की अवधि में प्रकरणों के भूमि चिन्हीकरण, चिन्हित भूमि के प्रस्ताव संबंधित विभाग को भिजवाने एवं भूमि आवंटन की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इन कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जिला कलक्टर्स के साथ आयोजित बैठक में लंबित भू-आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा की अनुपालना में स्पोर्ट्स कॉलेज, रोड़वेज बस स्टैण्ड, जीएसएस एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए प्रोसेसिंग प्लांट एवं मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, औद्योगिक पार्क इत्यादि विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

...जयपुर हादसे का वो खौफनाक मंजर हमें ताउम्र डराता रहेगा : प्रत्यक्षदर्शी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर के निकट शुक्रवार को हुये भीषण टैंकर हादसे में चमत्कारिक ढंग से बच निकले युवकों का कहना है कि लोगों की चीख पुकार एवं आग की लपटों को वे कभी भूल नहीं सकते हैं और उनलोगों को हादसे का वो खौफनाक मंजर ताउम्र डराता रहेगा।

टैंकर हादसे के बाद जो स्लीपर बस शुक्रवार को जल कर खाक हो गयी, उसमें राजसमंद का रहने वाला जगदीश रेगर (30) और सुनील खटीक (28) भी यात्रा कर रहे थे जो बस में आग लगने से ठीक पहले किसी प्रकार बाहर निकलने में सफल रहे।

दोनों युवकों का कहना है कि लोगों की चीख पुकार एवं आग की लपटों को वे कभी भूल नहीं सकते हैं । उन्होंने कहा कि हादसे का वो खौफनाक मंजर उन्हें ताउम्र डराता रहेगा। राजसमंद जिले के मोही निवासी जगदीश उस पल को याद करते हैं जब एक तेज विस्फोट ने रात के सन्नाटे को तोड़ दिया। उन्होंने बताया, 'हम जयपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर थे कि एक तेज धमाके की आवाज सुनी। आग की लपटें आसमान में उठ रही थीं और कुछ ही पलों में हमारी बस भी उस आग की चपेट में आ गई।

उन्होंने कहा, 'लोग चीख रहे थे, और भाग निकलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दरवाजा बंद था। पूरी तरह अराजकता एवं दहशत का माहौल था। राजसमंद के कांकरोली के भवानीनगर में रहने वाले सुनील ने कहा, आग बहुत तेज़ी से फैली। हमने खिड़की से बाहर देखा और चारों तरफ आग की लपटें देखीं। हमारी बस भट्टी में तब्दील हो रही थी। हमें पता था कि अगर हमें बचना है तो हमें तुरंत कुछ करना होगा।' इसके बाद उन दोनों दोस्तों ने ग्रिल तोड़ दी, और खिड़की का शीशा भी तोड़ दिया।

जगदीश ने कहा, हमारे हाथ जल रहे थे, लेकिन हम रुके नहीं। हम बस से बाहर कूद और भागते चले गए। दूर जाकर खेत में रुके। दरअसल एलपीजी गैस से भरे टैंकर में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टैंकर से रिसी गैस ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।

इसने हाइवे के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और हाइवे के दोनों और चल रहे वाहन इसकी चपेट में आ गए। सुनील ने बताया कि जो लोग इन वाहनों से निकल पाए उन्होंने पास के खेतों में शरण ली। उन्होंने कहा, हम वहां खड़े होकर खौफनाक मंजर को देख रहे थे। हमारे सामने ही कई लोग बचने के लिए भाग रहे थे, उनके कपड़े जल रहे थे। कुछ वाहनों के कंकाल ही बचे थे। यह खौफनाक मंजर हमें ताउम्र डराता रहेगा।'

बैठक

जैसलमेर में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक की अध्यक्षता की।

यह समझ से परे है कि कुछ राज्यों में एनईपी लागू नहीं हुई : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि यह ''समझ से परे'' है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को कुछ राज्यों में अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने एनईपी लागू करने के लिए उन राज्यों पर शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और मीडिया द्वारा पर्याप्त ''दबाव'' नहीं बनाए जाने पर अफसोस जताया।

धनखड़ ने कहा कि अब समय आ गया है कि लोग पक्षपातपूर्ण सोच को पीछे छोड़ दें और देश के हितों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कुछ राज्य सरकारों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का विरोध किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, राष्ट्रवाद और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे।

उपराष्ट्रपति ने यहां पंजाब विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता और स्थिरता के लिए सहयोग को बढ़ावा देना विषय पर आयोजित पांचवें वैश्विक पूर्व छात्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं दो बातों से दुखी और परेशान हूं -- एक, कुछ राज्यों ने इसे नहीं अपनाया है। मुझे यकीन है कि यह किसी भी तर्कसंगत आधार पर समझ से परे है। ऐसा कैसे हो सकता है? और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, पत्रकारिता के लोग दबाव नहीं बनाते।

उपराष्ट्रपति ने कहा,हम राष्ट्रवाद या विकास की कीमत पर राजनीति करने का जोखिम नहीं उठा सकते।

शैक्षिक 'इकोसिस्टम' को मजबूत करने में पूर्व छात्र नेटवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यदि यह राष्ट्रीय संस्कृति बन जाती है, तो यह हमारी शिक्षा को परिभाषित करेगी और वास्तव में हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अत्याधुनिक बनाएगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देशों की पहचान वहां स्थापित संस्थाओं से होती है। उन्होंने कहा कि जो देश अनुसंधान में आगे हैं और अनुसंधान को बढ़ावा देते हैं, वे देश विश्व में अग्रणी बनकर उभरते हैं।

धनखड़ ने कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, कैबिनेट सचिव, सशस्त्र बलों में प्रतिष्ठित पदों, पत्रकारिता, कला, संस्कृति, खेल में प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, जरा कल्पना कीजिए कि अगर पूर्व छात्र संगठित तरीके से काम करें तो वे अपने विश्वविद्यालय को कितना बढ़ावा दे सकते हैं।

पूर्वोत्तर में पुलिस के दृष्टिकोण में बदलाव का समय आ गया है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त होने के साथ ही पुलिस बल के दृष्टिकोण में बदलाव का समय आ गया है ताकि लोगों के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

शाह ने यहां पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के 72वें पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्ष में 20 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर करके क्षेत्र में शांति स्थापित की, जिसके परिणामस्वरूप 9,000 सशस्त्र उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा, पुलिस ने पिछले चार दशक तक पूर्वोत्तर में उग्रवाद से लड़ाई लड़ी है। अब उग्रवाद समाप्त हो चुका है, तो हमें पुलिस बल के दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है ताकि लोगों को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर न्याय मिल सके।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल संपर्क के लिए 81,000 करोड़ रुपए और सड़क नेटवर्क के लिए 41,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पूर्वोत्तर में विकास गतिविधियों में तेजी लाए जाने का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग के सत्ता में आने के बाद से केंद्रीय मंत्रियों ने इस क्षेत्र के राज्यों में ''700 रातें बिताई हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने सब्जी की खेती, दूध, अंडे और मांस के उत्पादन को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के उत्थान पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, केवल जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) में बढ़ोतरी समग्र विकास के लिए पर्याप्त नहीं है। सब्जियों, दूध, अंडे और मांस में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत है।

शाह ने कहा कि इसके अलावा, केंद्र सरकार इस क्षेत्र में जैविक खेती पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, केंद्र ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पहले ही राष्ट्रीय जैविक निगम लिमिटेड (एनओसीएल) का गठन किया है। मैं (पूर्वोत्तर के) सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वे जैविक उत्पादों की पैकेजिंग, विपणन और निर्यात के लिए एनओसीएल के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करें।

अरुणाचल प्रदेश ने गरीबी कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

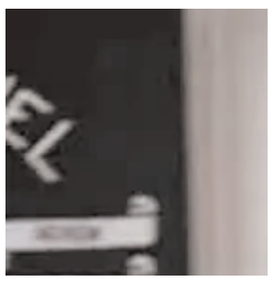

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी परनाइक ने शनिवार को कहा कि राज्य ने बहु आयामी गरीबी को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य ने वित्त वर्ष 2015-16 से सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 166 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने अगरतला में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोग इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि राज्य 2023-2024 के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले 'अग्रणी राज्यों' में से एक है।

राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, परनाइक ने कहा कि राज्य में शिक्षा के मानकों का उन्नयन करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें आंगनवाड़ियों को मजबूत करना, सरकारी विद्यालयों को उन्नत बनाना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करना, स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करना और जिलों में 'उन्नत शिक्षण केंद्र' स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत के सबसे महत्वाकांक्षी राज्यों में से एक है, जहां हमेशा से ही हमारी युवा आबादी के विकास, वृद्धि और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार का ज्यादातर ध्यान पर्यटन पर है, जिसमें पर्यटन स्थलों में बुनियादी ढांचे का निर्माण, युवाओं को गाइड और टूर ऑपरेटर के रूप में कौशल प्रदान करना तथा विपणन शामिल है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में पर्यावरण, धार्मिक और पर्यटन को विकसित करने की व्यापक गुंजाइश है।

परनाइक ने कहा, प्रदेश में 'अरुणाचल प्रदेश इनोवेशन एंड इन्वेस्टमेंट पार्क' (एपीआईआईपी) के साथ एक गतिशील स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र फल-फूल रहा है, जो निवेश, स्टार्टअप विकास और व्यापार करने में आसानी को सक्रिय रूप से समर्थन दे रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य की 'उन्नति' योजना हमारी औद्योगिक क्षमता को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है, जबकि गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वित्तीय समावेशन एक चुनौती बनी हुई है।

रेल मंत्रालय ने कहा,

भूमि अधिग्रहण बाधाओं के चलते बंगाल की परियोजनाओं में देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रेल मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल में कई रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण देरी हुई है, जिसका मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में चुनौतियां हैं।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि वित्त पोषण में पर्याप्त वृद्धि हुई है और आवंटन 2009-14 के दौरान 4,380 करोड़ रुपए से तीन गुना बढ़कर 2024-25 में 13,941 करोड़ रुपए हो गया है। इसके बावजूद परियोजनाओं में देरी हो रही है।

बयान के मुताबिक एक अप्रैल, 2024 तक पश्चिम बंगाल में 43 रेलवे परियोजनाएं चालू थीं, जिनकी कुल लंबाई 4,479 किलोमीटर है और लागत 60,168 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं पूरी या आंशिक रूप से पश्चिम बंगाल में हैं और पूर्वी रेलवे, दक्षिण पूर्वी रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत आती हैं। इन परियोजनाओं में नई लाइन बिछाने और आधुनिकीकरण का काम शामिल है।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 1,655 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और इस पर मार्च 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय हुआ।

मंत्रालय ने कहा कि अधिग्रहण एक बड़ी बाधा है, क्योंकि कुल 3,040 हेक्टेयर की आवश्यकता में केवल 640 हेक्टेयर (21 प्रतिशत) का अधिग्रहण किया गया है। रेलवे राज्य सरकारों के माध्यम से अपनी परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण करता है।

मिजोरम के 118 गांव वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से नहीं जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने शनिवार को कहा कि राज्य में दूरदराज के 118 गांव अभी भी वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से वंचित हैं। उन्होंने इन दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए केंद्र से अधिक सहायता की आवश्यकता पर बल दिया।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कंभमपति ने कहा कि इन गांवों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत परियोजनाएं सीमित हैं क्योंकि यहां बस्तियां कम हैं, जिससे और अधिक सहायता की आवश्यकता है। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री और एनईसी के अध्यक्ष अमित शाह ने की। कंभमपति ने क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की पहल की सराहना की।

निवेश आकर्षित करने के लिए मिजोरम की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, राज्य ने एक अंतर-विभागीय निवेश संवर्धन प्रकोष्ठ (आईपीसी) स्थापित किया है जो वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य तथा कौशल विकास क्षेत्रों में निवेशकों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और एनईसी से आग्रह किया कि वे ''राज्य में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम में एक अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित करें।

नेहरू थे आरक्षण विरोधी, विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं : मांझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ''आरक्षण विरोधी'' थे और विपक्ष गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बीआर आंबेडकर का अपमान किए जाने का दावा इसलिए कर रहा है क्योंकि उसके पास उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री और राजग के प्रमुख घटक हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता ने यह टिप्पणी तब की जब उनसे विपक्ष के इस दावे के बारे में पूछा गया कि शाह ने राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान आंबेडकर का अपमान किया था। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, उनके (विपक्ष) पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे ऐसा कह रहे हैं। हमारे पास देश को राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से आगे ले जाने का एजेंडा है।

मांझी ने कहा कि शाह ने पूछा था कि कांग्रेस आंबेडकर का नाम तो लेती है लेकिन क्या वह उनका अनुसरण भी करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आंबेडकर सम्मान कर रही है जबकि विपक्ष के पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है, इसलिए आरोप लगाना उसकी प्रवृत्ति बन गया है।

इससे पहले, यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि देश के पहले प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ''आरक्षण विरोधी'' थे क्योंकि उनका मानना था कि इससे समाज में भेदभाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने महाराष्ट्र से दो बार चुनाव लड़ा लेकिन नेहरू ने उन्हें हराने वालों का अभिनंदन किया।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली/भाषा। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

महाकुम्भ में रंग-बिरंगी नावों पर नौका विहार कर सकेंगे श्रद्धालु

महाकुम्भ नगर/भाषा। प्रयागराज की पहचान पूरे विश्व में त्रिवेणी संगम से होती है और संगम की पहचान यहां तैरती नावों से। इस बार श्रद्धालुओं को संगम तट पर नावों की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी और इन नावों पर खूबसूरत चित्रकारी की जा रही है।

एसडीएम (कुम्भ) अभिनव पाठक ने बताया कि महाकुम्भ 2025 को लेकर पूरे प्रयागराज और महाकुम्भ मेला क्षेत्र में निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संगम के पक्के घाटों और नावों पर भी खूबसूरत चित्रकारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेला प्राधिकरण पांच लाख वर्गफुट क्षेत्र में पेंटिंग और चित्रकारी का कार्य करवा रहा है। इसके अलावा, नमामि गंगे मिशन के तहत लगभग 2000 नावों पर चित्रकारी की जा रही है, ताकि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव हो।

प्रयागराज संगम में पीढ़ियों से नाव चलाने वाले नाविकों का कहना है कि कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 में पहली बार हम नाविकों की सुध ली गई है। नाविक सियाराम निषाद का कहना है, इससे पहले कुम्भ और महाकुम्भ जैसे बड़े अवसर पर केवल लाइसेंस जारी होते थे और प्रशासन नावों की सवारी का किराया तय करता था। हम नाविकों को और किसी तरह की सुविधा नहीं मिलती थी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में इस महाकुम्भ में तो हमें लाइफ जैकेट, सुरक्षा बीमा के साथ किराए में 50 फीसदी की बढ़ोतरी का उपहार दिया गया।

एएसआई ने किया संभल के कल्कि विष्णु मंदिर में सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की एक टीम ने शनिवार को यहां 'कल्कि विष्णु' मंदिर परिसर में एक पुराने कुएं का निरीक्षण किया। इससे एक दिन पहले एएसआई ने जिले में हाल ही में खोजे गए एक मंदिर का सर्वेक्षण किया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्राचीन 'कल्कि विष्णु' मंदिर के पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह अच्छी बात है कि सर्वेक्षण टीम यहां आई है।

शर्मा ने कहा, यहां एक 'कृष कूप' (कुआं) है। यह बंद नहीं है, लेकिन इसमें पानी नहीं है। इस कुएं का वर्णन स्कंद पुराण में भी है, संभल के सभी तीर्थ स्थलों का वर्णन स्कंद पुराण में है, और स्कंद पुराण के वराह खंड में भी कल्कि मंदिर का पूरा वर्णन है, यह कुआं मंदिर परिसर के अंदर ही है, यह पुरानी बाउंड्री के अंदर था।

संभल की उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की एक टीम 'प्राचीन कल्कि विष्णु' मंदिर आई थी। यहां एक 'कृष्य कूप' है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह एक प्राचीन कुआं है। टीम वहां करीब 15 मिनट तक रुकी और उन्होंने मंदिर का भी दौरा किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार का घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एएसआई की चार सदस्यीय टीम द्वारा हाल ही में खोजे गए श्री कार्तिक महादेव मंदिर, पांच 'तीर्थ' (तीर्थ स्थल) और 19 'कूपों' (कुओं) का सर्वेक्षण करने के एक दिन बाद हुआ है।

हेड अपने जीवन की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, उन्हें रोकना मुश्किल : शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री का मानना है कि 'शॉर्ट बॉल' को जल्दी परखने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बॉर्डर-गावस्कर शृंखला में शानदार सफलता दिलाई है और साथ ही उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मेहमान टीम इस 'सरदर्द' के लिए दवा ढूंढना चाहेगी।

शृंखला की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) समीक्षा में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि वह (हेड) बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था लेकिन अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह 'शॉर्ट बॉल' को खेलते हैं। वह इसे छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कई बार इसे अच्छी तरह छोड़ना भी सीख लिया है।

पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि गेंद की 'लाइन एवं लेंथ' को जल्दी से परखने की क्षमता हेड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है।

शास्त्री ने कहा, ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं। और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं।

इस भारतीय दिग्गज ने यह भी कहा कि जब हेड लय में होते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल होता है।

शास्त्री ने कहा, वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। और वह अपनी जिंदगी की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि भारत ट्रेविस नामक 'सरदर्द' के लिए मरहम की तलाश कर रहा है।

शास्त्री ने कहा, उनका नया उपनाम ट्रेविस 'हेड''एक' (इंग्लिश में सरदर्द) है। उन्होंने कहा, वे भारत में उनके लिए मरहम की तलाश कर रहे हैं। पैर की समस्याओं, टखने की समस्याओं (और) यहां तक कि सरदर्द के लिए वे मरहम की तलाश कर रहे हैं। वह इसके लिए आदर्श है।

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज को परेशान किया है लेकिन हेड इसके अपवाद रहे हैं जिन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों का बिना किसी परेशानी का सामना किया है।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने शनिवार को यहां विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है।

अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था।

सुविचार

कभी-कभी बहुत छोटे-छोटे निर्णय ही हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल देते है।

ट्वीट

आज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अजमेर रोड पर हुई हृदय विदारक दुर्घटना में घायल हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर मरीजों का कुशलक्षेम पूछा तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

-दीया कुमारी

नीमराना प्रवास के दौरान रीको औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों के साथ बैठक ली। इस अवसर पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अनुसरण में औद्योगिक विकासके विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

बेटा

गोविंद उपाध्याय

जब से फोन आया था। उसका मन काफी बेचैन था। हालाँकि पत्नी इस समाचार के बाद से ही बेहद उत्साहित थी। पत्नी ने अपनी डोलची तैयार करना शुरू कर दिया था। वह पत्नी की तरफ देखने लगा। उसके साँवले चेहरे पर इस समय गजब की चमक थी। माथे और गालों पर उग आयी झुर्रियाँ उम्र के तीसरे पड़ाव की तरफ इशारा कर रही थी। उसका ध्यान बार-बार फोन की तरफ जा रहा था। अभी घंटी बजेगी और वो दोनों चल देंगे। आरुषी रसोई में उनके लिए नाश्ता बनाने में व्यस्त थी। रोज की तरह सुबह उठकर वह अखबार के साथ चाय की चुस्कियाँ ले रहा था कि तभी शांतनु का फोन आया - पापाजी मानुषी आधी रात के बाद से ही तकलीफ में है। डाक्टर साहिबा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि घबराने की बात नहीं है। आपका केस बिल्कुल नारमल है। सुबह बताती हूँ कि किस नर्सिंग होम में भर्ती कराना है। आप टेंशन न लें शुरुआत में ऐसा ही होता है...।

उसके बाद से ही मन में घबराहट होने लगी थी और वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाया। अब बस उसे शांतनु के फोन का इंतजार था कि डाक्टर साहिबा किस नर्सिंग होम को रिकमंड कर रही हैं।

मानुषी के शादी का यह दूसरा वर्ष था। वह छब्बीस साल की होने वाली थी। बस बारह दिन शेष बचा था उसके जन्म दिन का। उसे मानुषी के विवाह के लिए बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा था। सिर्फ तीन जगह उसके रिश्ते की बात चली थी। दो जगह तो शुरुआती दौर की औपचारिकताओं के बाद ही बात खत्म हो गई थी। तीसरी जगह रिश्ता पक्का हो गया। शांतनु एम.टेक. के बाद मल्टीनेशनल में इंजीनियर थे। सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सेलरी पैकेज भी अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह थी कि वह निहायत विनम्र और सभी प्रकार व्यसनों से दूर थे। शायद यही कारण था कि उसने अपने हैसियत से ज्यादा खर्च कर दिया था। जो लड़के वालों की माँग थी, उसके अतिरिक्त भी उसने बहुत कुछ दिया...। इसके बावजूद जैसा कि होता है... लड़के वालों को हमेशा कम ही लगता है। मानुषी की सास को भी शिकायत रहती कि इस शादी में उनके आशा के अनुरूप दान-दहेज नहीं मिल पाया। शुरू में मानुषी जब भी उसे बताती, विचलित हो जाता...। उसके ऊपर तीन लाख का कर्ज था। कुछ अपने विभाग से ले रखा था और कुछ इष्ट-मित्रों से। जिसे चुकाने की चिंता हमेशा बनी रहती। कमाई का एक बड़ा हिस्सा उसी में निकल जाता। बेटी के लिए कुछ न कर पाने का अपराध-बोध भी था। शांतनु भी कहीं न कहीं अपने परिवार के साथ खड़े दिखाई देते थे।

मानुषी से तीन साल छोटी आरुषी थी। वह अभी उसके विवाह के बारे में तो कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं था। मानुषी जब पैदा हुई थी, उसके कुछ दिनों पहले ही उसे नौकरी मिली थी। ऐसे में अम्मा ने उसके पैदा होने पर उत्साह ही दिखाया था - 'लक्ष्मी है भाई, आने के पहले पिता को सरकारी नौकरी मिल गई। बेचारा कितना परेशान रहता था। छोटी-मोटी नौकरी मिलती भी तो मेहनत ज्यादा थी और पैसा कम...। पहला फल है। क्या बेटा...? क्या बेटी...?'

मानुषी रुई के फाहे की तरह थी। गोद में उठाते समय उसके भीतर पिता होने का एक अजीब उल्लास था। वह अपनी छोटी आँखों से उसकी तरफ ताक रही थी और वह उल्लास से भरा हुआ था। उसने पत्नी की तरफ देखा। माँ बनने के गौरव उसके चेहरा भी चमक उठा था।

लेकिन आरुषी के पैदा होने पर सब कुछ विपरीत हो गया था। अम्मा की आँखों में आँसू आ गए थे - 'किस तरह मैं तीन बेटियों की शादी निपटाई हूँ, मेरी आत्मा जानती है। एक तो पहले से ही थी अब फिर लड़की...?'

पत्नी ने भी बहुत कातर नजरों से देखा था उसे। जैसे उससे कोई बड़ा गुनाह हो गया हो। उसके सूखे और पपड़िआए होंठ काँप रहे थे। पत्नी ने उसका हाथ जोर से पकड़ा था। पत्नी उससे सांत्वना चाहती थी। वह मुस्कराने की कोशिश किया - 'क्या फर्क पड़ता है? जमाना बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' उसकी बातों को सुनने के बावजूद भी पत्नी की आँखों में संदेह था कि वह यह बाते सिर्फ उसका दिल रखने क लिए कह रहा है... क्योंकि हम दोनों ही बेटे की कामना कर रहे थे।

आरुषी माँ की तरह साँवली थी पर उसके नाक नक्श मानुषी से ज्यादा सुंदर थे। लेकिन इतने सालों बाद भी कुछ नहीं बदला था। सभी कुछ यथावत था। मानुषी की शादी के बाद से तो वह काफी तनाव में आ गया था। जो लोग देखने में बहुत सीधे और सरल लगते थे। अचानक उनके चेहरों से नकाब उतरने लगे। शुरुआती छह महीनों में मानुषी जो भी बताती वह सब उसने किस्से-कहानी में ही पढ़ा था। वह घबरा जाता। आए दिन अखबारों में छपने वाली दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना की खबरें उसे और विचलित करती। पत्नी सांत्वना देती - 'आप बिना मतलब ही इतना घबरा जाते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। सामान्य लोग हैं। जितना मिल सकता है लड़की वालों से ले लो की सोच तो हमारे समाज में है ही...। आपकी लड़की को इसके लिए कोई शारीरिक यातना तो देते नहीं है। बस जुबान से उलाहना ही तो देते हैं। यह तो हर लड़के वाले करते हैं। कुछ दिन चलेगा, फिए सब कुछ सामान्य हो जाएगा। क्या आप की माता जी मुझसे नहीं बोलती थी? तब मोबाइल और फोन तो था नहीं जरा-जरा सी बात मायके तक पहुँती। अब तो दाल के तड़के में क्या-क्या डाला है उसकी खबर भी मायके में तड़के को दाल में डालने से पहले पहुँचाने का प्रचलन है। यह सब बहुत सामान्य बातें हैं। आप लड़की के बाप हैं। धैर्य रखना सीखिए...।'

मानुषी शुरू से इस शादी का विरोध कर रही थी। हालाँकि इसके पीछे कोई ठोस आधार नहीं था। तब उसे लगा था कि हर लड़की पिता की सरपरस्ती से निकलने पर ऐसा करती है। लेकिन जब मानुषी के फोन आते तो वह स्वयं को अपराधी महसूस करता। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य होने लगा था। शांतनु का ट्रांसफर इसी शहर में हो गया था। बेटी के पास आ जाने पर उसे थोड़ा सुकून मिला। शहर एक होने के बावजूद भी वो शांतनु से बीस किलोमीटर की दूरी पर था। बीच में ट्रैफिक और शहर की खस्ता हालत सड़कें इस दूरी को और कष्टमय बना देती।

इसके बावजूद लगभग हर छुट्टी अब मानुषी उनके साथ बिताती। वह उम्मीद से थी। शांतनु के लिए यह शहर अपरचित था। इसलिए उसका झुकाव भी उसकी तरफ होने लगा था। मानुषी भी अब आजाद थी। यहाँ संयुक्त परिवार की पाबंदियाँ नहीं थी। अब वह मानुषी की तरफ से चिंता मुक्त हो गया था। वह स्वस्थ और प्रफुल्लित नजर आती। शांतनु उसका पूरा ख्याल रखता। डाक्टर से समय-समय से चेकअप कराना। दवाइयों और खाने-पीने पर ध्यान रखना। परिवार के हर सदस्य को नए मेहमान का बेसब्री से इंतजार था।

सभी चाहते थे कि बेटा ही पैदा हो। मानुषी कहती - 'मम्मी यदि लड़का हो गया तो मुझे दुबारा इस झंझट में नहीं पड़ना होगा। और यदि लड़की हुई तो पुत्र की लालसा में एक बार फिर मुझे यह बोझ उठाना पड़ेगा। वैसे भी मेरे परिवार में लड़कियाँ बहुत है।'

शांतनु इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। हाँ! उनके परिवार के अन्य लोगों की अपेक्षा जरूर थी कि मानुषी को बेटा हो। शायद उसकी भी यही इच्छा थी।

पिछले दो महीने में मानुषी से जब मिलता वह दयनीय सी दिखती। उसे उठने बैठने में भी दिक्कत होने लगी थी। वह ईश्वर से प्रार्थना करता कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाए। शायद यही कारण था कि जब से शांतनु ने फोन किया था, उसका दिल अंदर ही अंदर घबड़ा रहा था। मानुषी की सास भी दो सप्ताह पहले उसकी देख-भाल के लिए आ गई थी।

पत्नी पास ही सोफे पर आ कर बैठ गई थी। उसे देखकर मुस्कराई - 'अब तो आप नाना बनने वाले हैं। फिर काहे इतना उदास बैठे हैं?'

वह कुछ कहने के लिए मुँह खोलता इसके पहले ही मोबाइल बजने लगा। शांतनु का ही फोन था - 'पापा जी... अहिल्या नर्सिंग होम में हैं हम लोग। सब ठीक है...। घबराने वाली कोई बात नहीं है। नार्मल डिलवरी संभव है...।'

वह पत्नी को पूरी बात बताया और घर से बाहर निकल पड़ा। घबड़ाहट और बढ़ गई थी। मोटरसाइकिल चलाने का साहस नहीं हुआ। आरुषी ने भी मना किया। वह पत्नी के साथ कुछ कदम दूर आटो स्टैंड की तरफ चल दिया।

पत्नी शांत थी। वह हमेशा सकारात्मक सोचती है। शायद इस समय भी ऐसा ही सोच रही थी। वह पिछले तीन महीने से आने वाले मेहमान के बारे में सोच-सोच कर प्रफुल्लित होती रही थी। उसके पैर के पास ही डोलची रखी हुई थी। उसमें क्या है? वह नहीं जानता। न ही जानने की कोशिश की थी।

अचानक आटो रुक गया। वह बाहर सड़क की तरफ देख रहा था। रेलवे क्रासिंग था। कोई ट्रेन आने वाली थी। दोनों तरफ जाम लगा था। यह जून का दूसरा सप्ताह था। दस बजने वाले थे। हवा गरम होने लगी थी। उसने शांतनु का मोबाइल लगाया। मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। उसने कई प्रयास किए किंतु सफलता नहीं मिली। अब वह भुनभुना रहा था। पत्नी ने उसका हाथ दबा कर सांत्वना देने का प्रयास किया।

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा। आदमी ने रजिस्टर में उसका नाम दर्ज किया और हस्ताक्षर के लिए रजिस्टर सामने बढ़ा दिया।

नीचे हाल में शांतनु मिल गए। वह किसी से मोबाइल पर बात करने में व्यस्त थे। उसे देखते ही वह फौरन बात करना बंद करके पास आ गए - 'आइए पापा जी... बधाई हो... आप नाना बन गए। बस अभी उन्हें रूम में शिफ्ट करवा कर आ रहा हूँ।' 'सब ठीक तो है न...। मानुषी कैसी है और बच्चा...?' 'हाँ... हाँ... सब ठीक है। आइए...।' वह शांतनु के साथ हो लिया। पत्नी उसके पीछे थी। उसकी डोलची अब शांतनु के हाथ में थी। इमारत बाहर से देखने में जितनी अधूरी दिखाई दे रही। अंदर से उतनी बुरी नहीं थी। एक प्राइवेट रूम के सामने शांतनु रुक गए। उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया और मानुषी मेरे सामने थी। उसके बगल में ही रुई के फाहे जैसी छोटी सी जान इस दुनिया को टुकुर-टुकर देख रहा। मैं उसे छूना चाहता था। अचानक याद आया - 'क्या है? बेटा या बेटी...?'

शांतनु धीरे से बोलें - 'बेटी...' कमरे में कुछ देर के लिए खामोशी छा गई। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा - 'अरे पापा जी समय बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' मुझे यह शब्द बेहद जाने-पहचाने से लग रहे थे।

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

गुरुत्वाकर्षण

आदमी मिट्टी के घर में रहता था, खेती करता था। अनाज खुद उगाता, शाक-भाजी उगाता, पेड़-पौधे लगाता। कुआँ खोदता, कुएँ की गाद खुद निकालता। गाय-बैल पालता, हल जोता करता, बैल को अपने बच्चों-सा प्यार देता। घास काटकर लाता, गाय को खिलाता, गाय का दूध खुद निकालता, गाय को माँ-सा मान देता। माटी की खूबियाँ समझता, माटी से अपना घर खुद बनाता-बाँधता। सूरज उगने से लेकर सूरज डूबने तक प्रकृति के अनुरूप आदमी की चर्या चलती।

आदमी प्रकृति से जुड़ा था। सृष्टि के हर जीव की तरह अपना हर क्रिया-कलाप खुद करता। उसके रोम-रोम में प्रकृति अंतर्निहित थी। वह फूल, खुशबू, काँटे, पत्ते, चूहे, बिच्छू, साँप, गर्मी, सर्दी, बारिश सबसे परिचित था, सबसे सीधे रू-ब-रू होता । प्राणियों के सह अस्तित्व का उसे भान था। साथ ही वह साहसी था, ज़रूरत पड़ने पर हिंसक प्राणियों से दो-दो हाथ भी करता।

उसने उस जमाने में अंकुर का उगना, धरती से बाहर आना देखा था और स्त्रियों का जापा, गर्भस्थ शिशु का जन्म उसी प्राकृतिक सहजता से होता था। आदमी ने चरण उटाए। वह फ्लैटों में रहने लगा। फ्लैट यानी न ज़मीन पर रहा न आसमान का हो सका। अब आदमियों की बड़ी आबादी एक बीज भी उगाना नहीं जानती। प्रसव अस्पतालों के हवाले है। ज्यादातर आबादी ने सूरज उगने के विहंगम दृश्य से खुद को वंचित कर लिया है। बूढ़ी गाय और जवान बैल बूचड़खाने के रॉ मटेरियल हो चले, माटी एलर्जी का सबसे बड़ा कारण घोषित हो चुकी। अपना घर खुद बनाना-थापना तो अकल्पनीय, एक कील टांगने के लिए भी कथित विशेषज्ञ बुलाये जाने लगे हैं। अपने इनर सोर्स को भूलकर आदमी आउटसोर्स का ज़रिया बन गया है। शरीर का पसीना बहाना पिछड़ेपन की निशानी बन चुका। एअर कंडिशंड आदमी नेचर की कंडिशनिंग करने लगा है।

श्रम को शर्म ने विस्थापित कर दिया है। कुछ घंटे यंत्रवत चाकरी से शुरू करनेवाला आदमी शनैः-शनैः यंत्र की ही चाकरी करने लगा है।

आदमी डरपोक हो चला है। अब वह तिलचट्टे से भी डरता है। मेंढ़क देखकर उसकी चीख निकल आती है। आदमी से आतंकित चूहा यहाँ-वहाँ जितना बेतहाशा भागता है, उससे अधिक चूहे से घबराया भयभीत आदमी उछलकूद करता है। साँप का दिख जाना अब आदमी के जीवन की सबसे खतरनाक दुर्घटना है।

लम्बा होना, ऊँचा होना नहीं होता। यात्रा आकाश की ओर है, केवल इस आधार पर उर्ध्वगामी नहीं कही जा सकती। त्रिशंकु आदमी आसमान को उम्मीद से ताक रहा है। आदमी ऊपर उठेगा या औंधे मुँह गिरेगा, अपने इस प्रश्न पर खुद हँसी आ रही है। आकाश का आकर्षण मिथक हो सकता है पर गुरुत्वाकर्षण तो इत्थमभूत है। सेब हो, पत्ता, नारियल या तारा, टूटकर गिरना तो ज़मीन पर ही पड़ता है।

बोध कथा

चुहिया के स्वयंवर

गंगा नदी के तट पर एक धर्मशाला थी। वहां एक गुरु जी रहा करते थे। वह दिनभर तप और ध्यान में लीन होकर अपना जीवन यापन करते थे। एक दिन जब गुरु जी नदी में नहा रहे थे, उसी समय एक बाज अपने पंजे में एक चुहिया लेकर उड़ा जा रहा था। जब बाज गुरु जी के ऊपर से निकला तो, चुहिया अचानक बाज के पंजे से फिसलकर गुरु जी की अंजुली में आकर गिर गई। गुरु जी ने सोचा कि अगर उन्होंने चुहिया को ऐसे ही छोड़ दिया, तो बाज उसे खा जाएगा। इसलिए, उन्होंने चुहिया को अकेला नहीं छोड़ा और उसे पास के बरगद के पेड़ के नीचे रख दिया और खुद को शुद्ध करने के लिए फिर से नहाने के लिए नदी में चले गए।

नहाने के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके चुहिया को एक छोटी लड़की में बदल दिया और अपने साथ आश्रम ले गए। गुरु जी ने आश्रम पहुंचकर सारी बात अपनी पत्नी को बताई और कहा कि हमारी कोई संतान नहीं है, इसलिए इसे ईश्वर का वरदान समझ कर स्वीकार करो और इसका अच्छे से लालन-पालन करो।

फिर उस लड़की ने स्वयं गुरु जी की देखरेख में धर्मशाला में पढ़ना-लिखना शुरु कर दिया। लड़की पढ़ने में बहुत होशियार थी। यह देखकर गुरु जी और उनकी पत्नी को अपनी बेट पर बहुत गर्व होता था। एक दिन गुरु जी को उनकी पत्नी ने बताया कि उनकी लड़की विवाह योग्य हो गई है। तब गुरु जी ने कहा कि यह विशेष बच्ची एक विशेष पति की हकदार है।

अगली सुबह अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए गुरु जी ने सूर्य देव की प्रार्थना की और पूछा हे सूर्यदेव, क्या आप मेरी बेटी के साथ विवाह करेंगे? यह सुनकर लड़की बोली पिताजी, सूर्य देव पूरी दुनिया को रोशन करते हैं, लेकिन वह असहनीय रूप से गर्म और उग्र स्वभाव के हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने आश्चर्य से पूछा, सूर्य देव से बेहतर कौन हो सकता है? इस पर सूर्य देव ने सलाह दी, आप बादलों के राजा से बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे और मेरे प्रकाश को ढक सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, बादलों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी को स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर बेटी की स्वीकृति हो, तो आप उससे शादी करें।

इस पर बेटी ने कहा, पिताजी, बादलों का राजा काला, गीला और बहुत ठंडा होता है। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने फिर से आश्चर्य में पूछा, भला बादलों के राजा से भी बेहतर कौन हो सकता है? बादलों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप हवाओं के भगवान वायुदेव से बात करें। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे कहीं भी उड़ा कर ले जा सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने फिर से अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, वायु देव को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी के साथ विवाह स्वीकार करें। अगर वह आपको चुनती है तो। लेकिन बेटी ने वायुदेव से भी विवाह करने से इनकार कर दिया और कहा, पिता जी, वायु देव बहुत तेज हैं। वह अपनी दिशा बदलते रहते हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी फिर सोचने लगे, वायुदेव से भी बेहतर कौन हो सकता है? इस पर वायु देव ने सलाह दी, आप पहाड़ों के राजा से इस विषय में बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझे बहने से रोक सकते हैं।

इस के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, पहाड़ों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर वह आपको पसंद करती है, तो आप उससे शादी करें। फिर बेटी ने कहा, पिता, पहाड़ों के राज बहुत कठोर हैं। वह अचल हैं। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने सोचा, पहाड़ों के राज से भी बेहतर कौन हो सकता है? पहाड़ों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप चूहे के राजा से बात करके देखिए। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझमें छेद कर सकता है। आखिर में गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए चूहे के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि आप उससे शादी करें, अगर वह आपसे शादी करना चाहे। जब बेटी चूहे के राजा से मिली, तो वह खुश होकर शादी के लिए राजी हो गई। गुरु ने अपनी बेटी को एक सुंदर चुहिया के रूप में वापस बदल दिया। इस प्रकार गुरु जी की बेटी चुहिया का स्वयंवर सम्पन्न हुआ।

श्रीनिवास रामानुजन : संख्याओं के जादूगर

योगेश कुमार गोयल
फोन : 9416740584.

प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को भारत में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है, जो देश के महान गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन को सम्मान देने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। करीब एक दशक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने चेन्नई में रामानुजन की 125वीं जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे प्रतिभावान तथा गूढ़ ज्ञान वाले पुरूषों और महिलाओं का जन्म कभी-कभार ही होता है। गणित में रामानुजन के अविस्मरणीय योगदान को याद रखने और सम्मान देने के लिए उसी अवसर पर रामानुजन के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाए जाने का निर्णय लिया गया था।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

वीर गाथा

योगेश कुमार जोशी: बाधाओं, दुर्गम इलाकों और गोलीबारी को पार करते हुए किया महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा

लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी का जन्म 5 जनवरी, 1962 को हरियाणा के फरीदाबाद में हुआ था। आरपी जोशी के वीर पुत्र योगेश भारतीय सेना में कई उच्च पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वे परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित हैं।

योगेश कुमार ने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। इसके अलावा उन्होंने कई सैन्य अभियानों को अंजाम दिया था। उन्हें शुरुआत में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में 'के' स्क्वाड्रन आवंटित किया गया था। इसके बाद उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून भेजा गया।

जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब योगेश कुमार जोशी लेफ्टिनेंट कर्नल थे। उन्हें ऑपरेशन विजय के तहत द्रास सेक्टर में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण प्वाइंट 5140 पर कब्जा करने का ज़िम्मा सौंपा गया था।

अपने लक्ष्य को पाने के लिए ले. कर्नल योगेश ने बहुत सूझबूझ से योजना बनाई। उन्होंने हमले से पहले सभी चीजों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। 20 जून, 1999 को जोरदार धावा बोला गया। योगेश अपने साथी जवानों को प्रेरित करते हुए आगे बढ़े।

उधर, पाकिस्तानी फौजी उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। ले. कर्नल योगेश के नेतृत्व में भारतीय जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। देखते ही देखते भारतीय जवानों ने भारी बाधाओं, दुर्गम इलाकों और दुश्मन की गोलीबारी को पार करते हुए प्वाइंट 5140 की महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा कर लिया।

इस दौरान पाकिस्तान के छह फौजियों को भी ढेर कर दिया गया। यह भारत सेना की बहुत बड़ी कामयाबी थी। इसके लिए ले. कर्नल योगेश कुमार जोशी को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे समयानुसार पदोन्नति पाते हुए उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बने। लेफ्टिनेंट जनरल जोशी चीनी भाषा के विशेषज्ञ भी हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पोज

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 120वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान एक समूह तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने वैश्विक शांति के लिए योग और ध्यान की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को ध्यान को 'सभ्यता का स्रोत' बताते हुए योग व ध्यान की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित किया और मौजूदा वैश्विक हिंसा व संघर्ष के बीच विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए जीवनशैली में इसे अपनाने का आग्रह किया। ओली ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर काठमांडू के तुइंदेखेल मैदान में 30 मिनट के ध्यान सत्र के दौरान लगभग 5,000 लोगों को संबोधित करते हुए सकारात्मक सोच और अहिंसा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग और ध्यान को दैनिक जीवन में शामिल करने की वकालत करते हुए कहा कि हथियारों के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करके शांति हासिल नहीं की जा सकती।

प्रधानमंत्री ने समग्र स्वास्थ्य के लिए नियमित ध्यान की आवश्यकता पर जोर दिया और इस तरह के प्राचीन ज्ञान को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसे स्कूली पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाना चाहिए। ओली ने योग और ध्यान के माध्यम से नेपाल को एक स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक नेता भी शामिल हुए, जिनमें ओशो तपोवन के प्रमुख स्वामी आनंद अरुण और एलपी भानु शर्मा शामिल थे।

नेपाल ने छह अन्य देशों सहित भारत के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था। संयुक्त राष्ट्र ने छह दिसंबर को इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और ध्यान के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिवस को मान्यता दी।

ध्यान सभी धर्मों और सीमाओं से परे है: प्रथम विश्व ध्यान दिवस पर संरा में नेताओं ने कहा

संयुक्त राष्ट्र//दक्षिण भारत। प्रमुख आध्यात्मिक एवं संयुक्त राष्ट्र नेताओं ने यहां प्रथम 'विश्व ध्यान दिवस' के अवसर पर कहा कि ध्यान सभी धर्मों एवं सीमाओं से परे है और बढ़ते संघर्षों एवं गहरे अविश्वास से भरे वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन भी है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को वैश्विक निकाय के मुख्यालय में प्रथम विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में कहा, आज ध्यान कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह एक आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के राजदूत, अधिकारी, कर्मचारी, नागरिक संस्थाओं के सदस्य और भारतीय-अमेरिकी प्रवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। ध्यान एक ऐसी चीज है जिसे कोई भी, कभी भी और कहीं भी कर सकता है। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन लोगों के लिए दरवाजा खोलता है जिनके मन में कुछ शंकाएं हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि ध्यान सीमाओं, आस्थाओं, परंपराओं और समय से परे है तथा यह सभी को रुक कर अपनी अंतरात्मा को सुनने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

सैन्य अदालत ने पिछले साल नौ मई को हुई हिंसा मामले में 25 लोगों को सजा सुनाई

इस्लामाबाद/दक्षिण भारत। पाकिस्तान की सैन्य अदालतों ने पिछले साल मई में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के मामलों में 25 लोगों को दो से 10 साल तक कारावास की सजा सुनाई है। सेना ने शनिवार को यह घोषणा की। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने भ्रष्टाचार के एक मामले में पार्टी संस्थापक इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए नौ मई, 2023 को रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर कथित तौर पर हमला किया था। देशव्यापी छापेमारी में सैकड़ों संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में संलिप्तता के कारण कम से कम 103 लोगों को मुकदमे के लिए सैन्य अधिकारियों को सौंप दिया गया। एक विस्तृत बयान में सेना ने कहा कि राष्ट्र ने नौ मई को कई स्थानों पर राजनीतिक रूप से उकसावे वाली हिंसा और आगजनी की दुखद घटनाओं को देखा जो पाकिस्तान के इतिहास में एक काला अध्याय है। सेना ने कहा कि नफरत और झूठ के निरंतर विमर्श के आधार पर सैन्य प्रतिष्ठानों और शहीदों के स्मारकों पर राजनीतिक रूप से योजनाबद्ध हमले किए गए।

बयान के अनुसार 'फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल' ने साक्ष्यों की गहन समीक्षा और उचित कानूनी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद पहले चरण में 25 व्यक्तियों को सजा सुनाई। इसमें कहा गया है कि दोषियों को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए दो से 10 साल तक कारावास की सजा सुनाई गई है।

काशी के नमो घाट पर होगा नागा चैतन्य और सई पल्लवी की फिल्म तंडेल का नया गाना नमो नमः शिवाय

मुंबई/एजेन्सी

युवा सम्राट नागा चैतन्य की बहुप्रतीक्षित फिल्म तंडेल, जिसका निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया है और जिसका निर्माण बनी वासु ने प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत किया है, जिसे अल्लू अरविंद प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें बहुत ही प्रतिभाशाली साई पल्लवी मुख्य महिला भूमिका में हैं। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है, और पहला एकल बुज्जी थल्ली 30 मिलियन से अधिक व्यू के साथ पहले से ही सभी संगीत चार्ट में शीर्ष पर है। निर्माताओं ने 22 दिसंबर को काशी के नमो घाटों पर फिल्म का दूसरा गाना- नमो नमः शिवाय को लॉन्च करेंगे। यह गीत संगीत की दृष्टि से आकर्षक और दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक होने की उम्मीद है, जो श्रीकाकुलम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन श्री मुखलिंगम शिव मंदिर को दर्शाता है। निर्माता एक शानदार अनुभव का वादा करते हैं जो त्यौहार को उसकी पूरी महिमा में मनाएगा। इस जथारा गाने की कोरियोग्राफी शेखर मास्टर ने की थी।

नमो नमः शिवाय का पोस्टर इस रहस्य को और बढ़ाता है, जिसमें नागा चैतन्य और साई पल्लवी शक्तिशाली शिव और शक्ति मुद्राओं में कैद हैं, जो एक-दूसरे को गहन ध्यान से देख रहे हैं। भारी भीड़ से घिरे, उनके पारंपरिक परिधान और जथारा का जीवंत माहौल गाने के आध्यात्मिक विषय को जीवंत कर देता है। इस गाने को बड़े बजट में बड़े पैमाने पर शूट किया गया था, जिससे यह नागा चैतन्य का अब तक का सबसे महंगा ट्रैक बन गया। फिल्म में एक उल्लेखनीय क्रू भी है, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है, शमदत ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है, और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली संपादक हैं। श्रीनागेंद्र तंगला कला विभाग के प्रमुख हैं।

तंडेल 7 फरवरी को रिलीज के लिए तैयार हो रही है। फिल्म में नागा चैतन्य और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि चंदू मोंडेती लेखक और निर्देशक हैं। अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत और प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत बनी वासु द्वारा निर्मित, इस फिल्म में एक असाधारण तकनीकी दल है। संगीत देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित है, छायांकन शमदत द्वारा किया गया है और संपादन नवीन नूली द्वारा किया गया है। कला निर्देशन श्रीनागेंद्र तंगला द्वारा संभाला गया है, जबकि वामसी-शेखर पीआरओ के रूप में काम करते हैं, और मार्केटिंग का प्रबंधन फर्स्टशो द्वारा किया जाता है।

निमरत कौर ने मनाया विश्व साड़ी दिवस

मुंबई/एजेन्सी

विश्व साड़ी दिवस के अवसर पर शनिवार को अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह एक खूबसूरत काली साड़ी में दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग पोज देते हुए अभिनेत्री ने खुद के वीडियो भी शेयर किए। अभिनेत्री ने तस्वीरों के साथ लिखा, हर साड़ी एक कहानी कहती है। क्या आप मेरी कहानी पढ़ सकते हैं? अभिनेत्री कौर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक फैन ने लिखा, सुंदरता। दूसरे फैन ने कहा, कितनी प्यारी फोटो है! विश्व साड़ी दिवस हर साल 21 दिसंबर को मनाया जाता है, जो साड़ी की सुंदरता, सांस्कृतिक महत्व और स्थायी विरासत के लिए वैश्विक स्तर पर समर्पित है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को साड़ी का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है, एक ऐसा परिधान जो सदियों से भारतीय परंपरा का प्रतीक है। पिछले कुछ हफ्तों से अभिनेत्री दसवीं के सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ अपने कथित लिंकअप की अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं। हालांकि, बच्चन

परिवार के एक करीबी सूत्र ने अफवाहों को तुरंत खारिज करते हुए उन्हें शरारती, दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह से बकवास बताया। अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था, जहां उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित मिस्ट्री थ्रिलर में राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी हैं।

कथित तौर पर कौर को अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया अभिनीत आगामी फिल्म स्काई फोर्स में एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगी, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

धूम मचाने के लिए तैयार है कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी वर्सेटिलिटी और स्टार पावर को दिखाते हुए आने वाली फिल्मों की एक प्रभावशाली लाइन-अप के साथ दर्शकों को चकित करने के लिए तैयार हैं। वर्ष 2025 में रिलीज़ के लिए निर्धारित, फ़िल्म गेम चेंजर प्रशंसित एस. शंकर द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म में कियारा राम चरण के साथ हैं, जो एक डायनामिक ऑन-स्क्रीन जोड़ी का वादा करता है। शंकर के दूरदर्शी निर्देशन के साथ, फ़िल्म गेम चेंजर कियारा के करियर में एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है।एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट टॉक्सिक है, जो दर्शकों के लिए एक फेरीटेल है, जिसे गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। कियारा इस फिल्म में यश के साथ स्क्रीन साझा

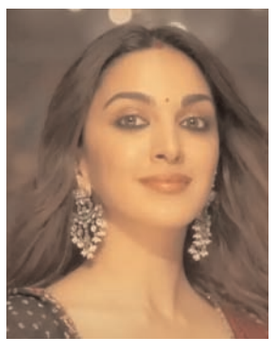

करेंगी, जो उनके विविध पोर्टफोलियो में उत्साह की एक और परत जोड़ देगा।

अयान मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर वॉर की महत्वाकांक्षी सीक्वल में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी एक साथ नज़र आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और मनोरंजक ड्रामा देने का वादा करती है, जो कियारा की एक डायनामिक और पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थिति को और मजबूत करती है। कियारा आइकोनिक डॉन फ्रैंचाइज़ी की बहुप्रतीक्षित तीसरी क़िस्त में भी दिखाई देंगी। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, इस स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर थ्रिलर में वह रणवीर सिंह के साथ नज़र आएंगी। कियारा आडवाणी के आगामी प्रोजेक्टस अलग-अलग भूमिका निभाने और इंडस्ट्री के कुछ टॉप टैलेंट्स के साथ काम करने की उनकी क्षमता को उजागर करते हैं। उनकी सशक्त लाइनअप उनकी बढ़ती स्टार पावर और टॉप डायरेक्टर्स और एक्टर्स द्वारा उन पर रखे गए भरोसे का साफ संकेत है। फैंस इन रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, जो रोमांचकारी और यादगार सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती हैं।

स्नेहा वाघ छठी मैया की बिटिया शो में निभा रहीं मुख्य किरदार

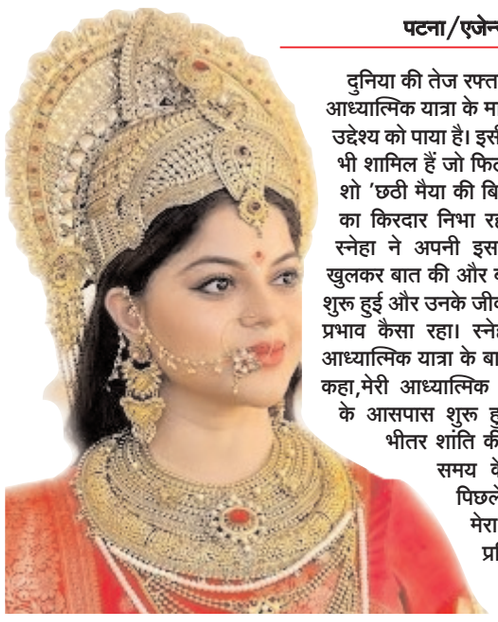

पटना/एजेन्सी

दुनिया की तेज रफ्तार ज़िंदगी में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के माध्यम से शांति और उद्देश्य को पाया है। इसी में अभिनेत्री स्नेहा भी शामिल हैं जो फिलहाल सन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया' में छठी मैया का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में, स्नेहा ने अपनी इस यात्रा के बारे में खुलकर बात की और बताया कि यह कैसे शुरू हुई और उनके जीवन पर इसका गहरा प्रभाव कैसा रहा। स्नेहा वाघ ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा,मेरी आध्यात्मिक यात्रा 2016-17 के आसपास शुरू हुई जब मैंने अपने भीतर शांति की तलाश शुरू की। समय के साथ, खासकर पिछले तीन-चार वर्षों में मेरा आध्यात्मिकता के प्रति जुड़ाव और गहरा हुआ। इस दौरान, मैंने भारत के प्राचीन मंदिरों की यात्रा की, वहां की कथाओं और शिक्षाओं को सुना और उनके महत्व को पढ़ा। इन यात्राओं के दौरान, मैंने भारत के दूरस्थ हिस्सों में ऐसे मंदिर खोजे, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इन अनुभवों ने मुझे महसूस कराया कि हमारा देश संस्कृति और विरासत के मामले में कितना समृद्ध है।

उन्होंने आगे कहा,शुरुआत में मुझे मंदिरों की वास्तुकला ने आकर्षित किया। बाद में, इन मंदिरों में स्थित देवताओं ने मुझे खींचना शुरू किया और यहीं से मैंने पौराणिक कथाओं का अध्ययन करना शुरू किया। पौराणिक कथाओं के माध्यम से, मैंने जीवन और सभ्यता के विकास की व्यापक कहानी से जुड़ाव महसूस किया। इस अहसास ने मेरे विश्वास को मजबूत किया और संस्कृति व सभ्यता के बारे में अधिक जानने की प्रेरणा दी। स्नेहा वाघ ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी अपनी राय दी उन्होंने कहा,आज मैं एक दिलचस्प बदलाव देखती हूं जब हम पश्चिमी संस्कृति को अपना रहे हैं, तब पश्चिम के लोग भारतीय परंपराओं को अपना रहे हैं। वे हमारे रीति-रिवाजों के वैज्ञानिक लाभों को प्रमाणित करके उनकी अहमियत को पहचान रहे हैं। इसे देखकर मुझे हमारी विरासत में और गहराई से जाने की प्रेरणा मिली।

मैंने भारतीय आध्यात्मिकता के विभिन्न पहलुओं पर पढ़ना और शोध करना शुरू किया, जिसने मुझे आंतरिक शांति और सार्थक जीवन जीने का मार्ग दिखाया। इस यात्रा ने मुझे भारतीय संस्कृति की समृद्धि का एहसास कराया और मुझे इन शाश्वत मूल्यों पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

स्नेहा वाघ ने 'छठी मैया की बिटिया' शो में देवोलीना भट्टाचार्य की जगह ली है और दर्शक उनके प्रदर्शन से प्रभावित हैं। यह शो, जो सन नियो पर शाम 7 बजे प्रसारित होता है जो वैष्णवी (बृंदा द्वारा अभिनीत किरदार) की कहानी को प्रदर्शित करता है। वैष्णवी एक अनाथ लड़की है जो छठी मैया पर अटूट विश्वास रखती हैं और उन्हें अपनी माँ मानती हैं जो समस्या में अपनी बेटी की सहायता करती हैं। शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, बृंदा दहल और आशीष दीक्षित जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं।

'थलपति 69' में नजर आएंगी पूजा हेगड़े, दिखाई शूटिंग की झलक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर चेन्नई में अपनी मोस्ट अवेटेड 'थलपति 69' की शूटिंग की झलक दिखाई। फिल्म में अभिनेत्री के साथ थलापति विजय लीड रोल में हैं।सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की है। शेयर की गई तस्वीर में 'चेन्नई मॉर्निंग्स डे 16' लिखा दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि उनका दिन सुबह 6.30 बजे शुरू हो चुका है। 'थलपति 69' के साथ पूजा हेगड़े विजय के साथ पहली बार काम करने जा रही हैं। थलापति और पूजा की आगामी फिल्म एच. विनोद द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले वेंकट के. नारायण द्वारा निर्मित है। विजय के राजनीति में एंट्री के बाद से 'थलपति 69' और भी खास हो गई है।

फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े के साथ गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि, ममिता बैजू, मोनिशा ब्लेसी और वरलक्ष्मी शरतकुमार जैसे सितारे अहम रोल में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में विजय एक निलंबित पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक खास मिशन के लिए अपनी शक्ति वापस पाता है। 'थलपति 69' अक्टूबर 2025 में रिलीज होगी। फिल्म की शुरुआत 4 अक्टूबर को पारंपरिक पूजा समारोह के साथ हुई। फिल्म मेकर्स ने पहले दिन की तस्वीर साझा की थी।

पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की झोली में 'देवा' भी है। एक्शन-ड्रामा फिल्म में पूजा के साथ लीड रोल में शाहिद कपूर हैं। फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा उनकी झोली में सुपरस्टार सूर्या के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म 'सूर्या 44' और रोमांटिक-कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है' भी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 22-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

सुख-दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं है : डॉ बी जीवगन

मद्रास विश्वविद्यालय में आचार्य श्री तुलसी स्मृति में प्रवचन माला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डॉ. बी. जीवगन का स्वागत करते हुए प्यारेलाल पीतलिया।

चेन्नई। मद्रास विश्वविद्यालय जैनोलॉजी विभाग के तत्वावधान में एवं तेरापंथ ट्रस्ट ट्रिप्लिकेन द्वारा प्रायोजित आचार्य तुलसी मेमोरियल एंडोवमेंट व्याख्यानमाला 2024-2025 के अंतर्गत प्रखर वक्ता श्री डॉ बी जीवगन- तमिल जैन साहित्य में जैन दर्शन के सर्वेक्षण ने अपनी प्रभावक शैली में अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। विविध संस्थाओं के पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण एवं विद्यार्थी आयोजन मे संभागी बने। अपने ओजस्वी एवं प्रेरक वक्तव्य मे मुख्य वक्ता डॉ. जीवगन ने कहा कि जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है। इसलिए कर्म के मर्म को समझते हुए स्वयं को कर्म बंधन से हल्का रखना है। सभी जीव एक समान है,भले वह कुन्थु हो या हाथी। हमे किसी भी जीव को अपनी ओर से कष्ट नही पहुचाना चाहिए। अपने जीवन को सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कारी बनाने के लिए परिग्रह को कम करे, अहिंसात्मक संयममय जीवन जीने का प्रयास करे। आचार्य श्री तुलसी द्वारा नैतिक उत्थान सहेतुक प्रदत्त अणुव्रतों के नियमों को अपनाएँ। जाति भेद रूढिवाद को प्रश्रय न दे।

आपने आचार्य श्री तुलसी द्वारा लोक कल्याणकारी अवदानों की भी विस्तृत चर्चा की। तमिल जैन साहित्य में वर्णित गुढ़ रहस्यों का भी जिक्र किया। उन्होने साहित्यकारों के आधार पर बताया कि तमिल ग्रंथ तिरुकुलर की रचना प्रसिद्ध जैनाचार्य कुन्दकुन्द ने की। जीवगन पिछले 27 वर्षो से आध्यात्मिक सेमिनार का आयोजन कर अपने प्रखर वक्तव्य के माध्यम से जन-जन के व्यावहारिक जीवन मे धार्मिक विचारधारा को सम्पुष्ट बनाने का कार्य कर रहे है। श्रोताओं को अपने वक्तव्य से एकिभुत बनाकर रखने की विलक्षण कला आप में है।

कार्यक्रम का प्रारंभ मंगलाचरण से हुआ। जैनोलोजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर श्रीमती प्रियदर्शना जैन ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। प्रत्यक्ष के साथ जूम एप्प के माध्यम से भी करीबन 50 श्रोतागण लाभान्वित हुए। मुख्य वक्ता ने श्रोताओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। मुख्य वक्ता जीवगन का शॉल व माल्यार्पण से स्वागत कर साहित्य भेट किया।

कार्यक्रम में प्यारेलाल पितलिया, तनसुखलाल नाहर, ललित आंचलिया, ललित दुगड, अशोक खतंग, संदीप मुथा, गौतमचन्द सेठिया, सुरेशकुमार संचेती, ट्रिप्लीकेन तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष संतोषकुमार धारीवाल, मंत्री अशोककुमार लुंकड, विजयकुमार गेलड़ा, सुरेशकुमार बोहरा, दीपक कात्रेला, श्रीमती माला कात्रेला आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। माला कात्रेला ने अपनी अलबेली शैली से मुख्य वक्ता के तमिल अभिभाषण का हिंदी अनुवाद कर सुनाया। डॉ प्रियदर्शना ने कार्यक्रम का संचालन किया। ट्रिप्लीकेन तेरापंथ ट्रस्ट के उपाध्यक्ष विजयकुमार गेलड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्व हिंदी दिवस का आयोजन 10 जनवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व हिन्दी दिवस पर आगामी 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस समारोह का आयोजन तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गिल नगर के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। इस संबंध में गत दिनों तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी के सचिव ईश्वर करुण एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गिल नगर के प्राचार्य डॉ वी.कल्याणरामन ने समारोह के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर इसे व्यावहारिक रूप देने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, गिल नगर के पुस्तकालय अध्यक्ष आलोक जायसवाल, हिंदी शिक्षिका देविकारानी तथा तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से डॉ स्वाति पालीवाल, प्रणव तिवारी एवं आर. पार्वती ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समारोह के कार्यक्रम में विश्व हिंदी दिवस की प्रासंगिकता सत्र, पुस्तक लोकार्पण-सम्मान सत्र और काव्य पाठ सत्र होगा, जिसमें तमिल हिन्दी विद्वान सहित महत्वपूर्ण महानुभाव सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ निर्मला एस मौर्य, पूर्व कुलपति, बीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर करेंगी। सम्मान सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ वी.कल्याणरामन करेंगे। समारोह की संयोजिका श्रीमती आर पार्वती (कनिमरा लाइब्रेरी की पूर्व हिन्दी प्रभारी) होंगी।

सम्पन्न और समर्थ लोगों को अहंकार नहीं करना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी भवन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचक श्री पवनकुमारजी मंडोलिया ने कृष्ण विवाह का प्रसंग बताया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का पहला विवाह हुआ और सात पत्नियां थी। कुल आठ पटरानियां थी और भौमासुर को मारकर सोलह हजार एक सौ विवाह और हुए। कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के मित्रता का प्रसंग सुनाया। कैसे भगवान अपने मित्र के स्नेह में बंधकर उन्हें अपने सिंहासन पर बिठाकर आदर सत्कार करते हैं सभी ने मार्मिक प्रसंग का आनंद लिया।

इस प्रसंग से सुन्दर संकेत देते हुए कहा कि धन, प्रतिष्ठा, ऐश्वर्य, व्यक्ति बिना परमात्मा की कृपा के नहीं मिलती। केवल प्रयत्न एवं पुरुषार्थ से सम्पदा अर्जित नहीं कि जा सकती है। अत: सम्पन्न व्यक्तियों को अपने वैभव पर अहंकार नहीं करना चाहिए। धनवान व्यक्तियों को विनम्र होना चाहिए। भगवान की शरण ग्रहण करनी चाहिए उसी के होकर रहना चाहिए। उसकी भक्ति और उसके प्रेम में लीन रहना चाहिए। हमारी सभी चिंताएं और परेशानी वह स्वयं दूर कर देते हैं। व्यासजी ने यदुवंशी की कथा भी सुनाई।

कुंभ मेला महोत्सव के लिए विशेष रेलगाड़ियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार महाकुंभ मेला महोत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रेन संख्या 06005/06006 कन्याकुमारी-गया-कन्याकुमारी साप्ताहिक स्पेशल चलाई जा रही हैं।

ट्रेन संख्या 06005 कन्याकुमारी-गया साप्ताहिक स्पेशल की दो सेवाएं सोमवार 06 और 20 जनवरी को कन्याकुमारी से 20.30 बजे रवाना होगी और चौथे दिन 01.30 बजे गया पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 06006 गया-कन्याकुमारी साप्ताहिक स्पेशल 09 और 23 जनवरी को 23.55 बजे गया से रवाना होगी और चौथे दिन 03.50 बजे कन्याकुमारी पहुंचेगी। इस ट्रेन में 6 - एसी थ्री टियर कोच, 1 - एसी थ्री टियर इकॉनमी कोच, 6 - स्लीपर क्लास कोच, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 - लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

वीओसी बंदरगाह व्यापार की सेवा के लिए क्षमता बढ़ाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के दक्षिणी भाग में जीवंत बंदरगाह वीओ चिदंबरनार पोर्ट ने इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 19 दिसंबर तक 5.62 लाख टीईयू कंटेनरों सहित 29.70 मिलियन टन कार्गो वॉल्यूम को संभाला है, जो क्रमशः 1.877 और 6.747 की समग्र वृद्धि को दर्शाता है। कार्गो हैंडलिंग में लगातार बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, पोर्ट ने कार्गो थ्रूपुट बढ़ाने, हैंडलिंग दक्षता बढ़ाने और क्षेत्र में अपने बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए कई रणनीतिक क्षमता वृद्धि और कार्गो निकासी पहल शुरू की हैं।

कंटेनर व्यापार को बढ़ावा देने के लिए, जेएम बैक्सी ग्रुप द्वारा संचालित पोर्ट के तीसरे कंटेनर टर्मिनल 'तूतीकोरिन इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल' का उद्घाटन हाल ही में 16 सितंबर, 2024 को माननीय केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा किया गया। टर्मिनल ने अपना परिचालन शुरू कर दिया है और यह प्रति वर्ष 6 लाख टीयूई को संभालेगा। बंदरगाह पर बल्क कार्गो हैंडलिंग की क्षमता बढ़ाने के लिए, 306 मीटर की कुल लंबाई (एलओए) वाले उत्तरी कार्गो बर्थ-खखख (एनसीबी-3) को फरवरी 2025 तक बंदरगाह द्वारा ड्रेज किया जाएगा, ताकि 14.20 मीटर ड्राफ्ट तक के जहाजों को हैंडल किया जा सके। ड्रेजिंग बंदरगाह के प्रवेश चैनल, एप्रोच चैनल और टर्निंग सर्कल क्षेत्र में समानांतर रूप से भी की जाएगी। ड्रेजिंग के पूरा होने पर टर्मिनल का अंतरिम संचालन जनवरी 2025 के अंत तक 100-120 टन की क्षमता वाले 2 हार्बर मोबाइल क्रेन का उपयोग करके शुरू हो जाएगा। एनसीबी-3 को मेसर्स जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा दिसंबर, 2026 तक शोर अनलोडर्स के साथ मशीनीकृत किया जाएगा, जो प्रति वर्ष 7 मिलियन टन डिस्चार्ज करने में सक्षम है। 49 मीटर चौड़ाई और 366 मीटर लंबाई वाले जहाजों (मौजूदा चौड़ाई 48 मीटर, लंबाई 310 मीटर) को समायोजित करने के लिए, बंदरगाह के प्रवेश चैनल को 152.40 मीटर से 230 मीटर तक चौड़ा करने का कार्य भी बंदरगाह द्वारा शुरू किया गया है।

अतिरिक्त बल्क और ब्रेक-बल्क कार्गो जहाजों को समायोजित करने के लिए, बंदरगाह ने ईपीसी मोड के तहत 440 मीटर के एलओए के साथ बर्थ नंबर 10 के निर्माण के लिए प्रस्ताव शुरू किया है, जिसकी लागत लगभग 80 करोड़ रुपये है। बर्थ में पहले से ही 10.70 मीटर का ड्राफ्ट है और निकट भविष्य में इसे 14.50 मीटर तक ड्रेज किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित कोल जेटी-1 की निष्क्रिय क्षमता का उपयोग करने के लिए, 13 मीटर के आगमन ड्राफ्ट के साथ कोयला जहाजों के लाइटरेज के लिए लिंक कन्वेयर की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

नॉर्थ कैरो बर्थ-2 की क्षमता बढ़ाने के लिए, प्रतिदिन 25,000 टन भार संभालने की क्षमता बढ़ाने के लिए 100 टन की क्षमता वाला एक अतिरिक्त हार्बर मोबाइल क्रेन जनवरी 2025 के दूसरे सप्ताह तक चालू किया जाएगा। एनसीबी-2 और एनसीबी-3 में लगभग 5000 वर्ग मीटर का अतिरिक्त बर्थ क्षेत्र ड्रेज्ड सामग्रियों से बैकफिलिंग करके उपलब्ध कराया जाएगा और यह काम इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। बंदरगाह के तेल जेटी में लगभग 120 मीटर एलओए और 52 मीटर से 55 मीटर की समानांतर बॉडी लंबाई वाले छोटे जहाजों को संभालने के लिए, आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ 2 मूरिंग डॉल्फ़िन का निर्माण वर्ष 2025 के मध्य तक किया जाएगा।

तमिलनाडु के समुद्र तट पर प्रस्तावित अपतटीय पवन ऊर्जा केंद्र के लिए पवनचक्की ब्लेड और सहायक उपकरणों को संभालने के लिए, बंदरगाह ने 470 मीटर की कुल लंबाई और 30 हेक्टेयर के बैकअप क्षेत्र के साथ पवनचक्की ब्लेड और सहायक उपकरणों को संभालने के लिए एक विशेष टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। वीओसी पोर्ट को भारत के ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया हब के रूप में स्थापित करने के मिशन के एक हिस्से के रूप में, पोर्ट ने 41,860 करोड़ के कुल निवेश पर ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया विनिर्माण और भंडारण सुविधाओं के लिए 4 फर्मों को 501 एकड़ जमीन आवंटित की है। ईंधन कोशिकाओं का उपयोग करके ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और बिजली उत्पादन की स्थापना के लिए एक पायलट प्रदर्शन परियोजना वर्तमान में प्रगति पर है और जनवरी 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। समानांतर में, पोर्ट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट बंकरिंग प्रोजेक्ट को निष्पादित करने के लिए तैयार है, जो ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के लिए बंकरिंग और ईंधन भरने की सुविधाओं का प्रदर्शन करेगा। पोर्ट लगभग 2 मिलियन टन/वर्ष के ग्रीन हाइड्रोजन/अमोनिया को संभालने के लिए आवश्यक बर्थिंग और कार्गो हैंडलिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना की प्रक्रिया में भी है।

वीओसी पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष, आईआरएसईई, सुशांत कुमार पुरोहित ने अपने संदेश में कहा कि 'सभी मौसमों में उपयुक्त बंदरगाह होने, ईस्ट वेस्ट इंटरनेशनल समुद्री मार्ग के निकट रणनीतिक स्थान, 28.187 का न्यूनतम परिचालन अनुपात, कंटेनर जहाजों का सबसे कम टर्न अराउंड समय, अच्छी तरह से स्थापित लॉजिस्टिक्स सहायता प्रणाली, निर्बाध सड़क और रेल संपर्क, आगामी उद्योग और क्षमता वृद्धि पहल के साथ, वीओसी पोर्ट में दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार बंदरगाह बनने की अपार क्षमता है।

अखिल भारतीय जैन कांफ्रेंस में तमिलनाडु के 14 प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चैनई। जैन समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय जैन कांफ्रेंस में तमिलनाडु के आवंटित 14 प्रतिनिधियों का निर्विरोध चयन किया गया। जिसमें देवीचन्द बरलोटा, अशोक लोढा, गौतम चन्द लोढा, गौतमचन्द दूगड, देवराज लूनावत, किशनलाल लोढा, गौतमचन्द गुगलिया, विमल चन्द खाबिया, ललेश कांकरिया, सुरेश गादिया, सज्जनराज देशलहरा, राजेश तलेसरा, सुरेन्द्र बैद, अश्विन चडालिया शामिल हैं। अखिल भारतीय जैन कांफ्रेंस के अध्यक्ष आनन्द छल्लानी ने केन्द्रीय समिति में मनोनीत सदस्यों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए उनका सम्मान किया।

'पायनीर्स पैराडाइज' प्रतिभा व क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित गुरु श्री शांति विजय जैन विद्यालय में दो दिवसीय परियोजना 'पायनीर्स पैराडाइज' का आयोजन 20 व 21 दिसम्बर को किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में कल्पनाशीलता, प्रतिभा, क्रियात्मकता और क्षमताओं की ऊँची उड़ान भरी। मॉडल, अभिनय, चित्रांकन, नौटंकी आदि के माध्यम से तथ्यों की अद्भुत प्रस्तुति की। निर्णायक गण में विभिन्न क्षेत्रों एवं विषयों के विद्वान एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। विद्यार्थियों के जोश-उत्साह के साथ प्रस्तुति से निर्णायक बहुत प्रभावित हुए। अभिभावकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जैसे कोई मेला लगा हो। यह परियोजना कार्य अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्धक एवं सफल रहा।

दक्षिण रेलवे को व्यापक स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सिविल इंजीनियरिंग विषयों के लिए समग्र दक्षता शील्ड मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण रेलवे के त्रिची गोल्डन रॉक वर्कशॉप को मिला सर्वश्रेष्ठ वर्कशॉप शील्ड

दक्षिण रेलवे के आठ कर्मचारियों को प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मान

नई दिल्ली/चेन्नई। 69वां रेलवे सप्ताह पुरस्कार समारोह 21 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेल राज्य मंत्री, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष , सचिव और सदस्यों , विभिन्न जोनों के महाप्रबंधकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए।

दक्षिण रेलवे ने समग्र दक्षता शील्ड जीती

दक्षिण रेलवे ने सुरक्षा के लिए समग्र दक्षता शील्ड (व्यक्तिगत विजेता) जीता। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह और दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त जीएम ईश्वर राव ने केंद्रीय रेल मंत्री से शील्ड प्राप्त की।

दक्षिण रेलवे ने उत्तर पश्चिम रेलवे के साथ मिलकर समग्र स्वास्थ्य सेवा के लिए समग्र शील्ड भी जीती। यह पुरस्कार महाप्रबंधक के साथ-साथ दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. सीएम रवि ने प्राप्त किया। जोन ने दक्षिण मध्य और पश्चिमी रेलवे के साथ मिलकर समग्र सिविल इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड भी जीती।

यह पुरस्कार दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक के साथ-साथ दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य इंजीनियर राम शंकर गहलोत और दक्षिण मध्य और पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधकों और प्रधान मुख्य इंजीनियरों ने प्राप्त किया ।

इसके अलावा, दक्षिण रेलवे के आठ कर्मचारियों को रेल मंत्री से प्रतिष्ठित अतिथि विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसमें दो राजपत्रित अधिकारी और छह अराजपत्रित कर्मचारी शामिल हैं। दक्षिण रेलवे इन पुरस्कार विजेताओं की उनके उत्कृष्ट समर्पण और महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए सराहना करता है, जो पूरे कार्यबल के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.